भाद्रपद कृष्ण पक्ष-7, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 117 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
11 अक्टूबर 2023 बुधवार

आज का मौसम
33 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

न्यूजक्लिक मामले में अब सीबीआई की एंट्री, छापेमारी

नईदिल्ली, दोपहर मेट्रो

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने आज समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक द्वारा विदेशी चंदा नियमन कानून (एफसीआरए) के कथित उल्लंघन को लेकर प्राथमिकी दर्ज की तथा दो स्थानों पर छापे भी मारे। बताया जा रहा है कि सीबीआई की एक टीम ने न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ के आवास और कार्यालय की तलाशी ली। पुरकायस्थ को हाल ही में दिल्ली पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत एक मामले में गिरफ्तार किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पोर्टल पर आरोप है कि उसने विदेशी चंदा नियमन कानून (एफसीआरए) मामले का उल्लंघन करते हुए विदेशी चंदा प्राप्त किया है। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने एफआईआर में आरोप लगाया कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के सक्रिय सदस्य नेविल रॉय सिंघम ने फर्जी तरीके से विदेशी फंड का निवेश किया था। हालांकि, पोर्टल ने इन आरोपों का खंडन किया है। न्यूज क्लिक एक डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म है। इस पर भारतीय जनता पार्टी ने चीन का साथ देकर भारत में माहौल खराब करने का आरोप लगाया था।

मप्र में सियासी सरगर्मी: मैदान पर नेता भी अफसर भी, सघन तलाशी व छापेमारी

चिंतन से लौटकर चुनाव अखाड़े में सीएम, कांग्रेस का मिशन मंडला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी शुरू हो गई है। कल शहडोल में राहुल गांधी की सभा के बाद अब प्रियंका गांधी की कल की सभा की तैयारी जारी है। वे आदिवासी मिशन के तहत मंडला में सभा संबोधित करने आ रही हैं। इधर, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज शाम चार बजे उत्तराखंड की चिंतन यात्रा से लौट रहे हैं। वे भोपाल आने के बाद टीला जमालपुरा क्षेत्र में सभा को संबोधित करेंगे और भाजपा के लिये जनसंपर्क करेंगे। जानकारों का कहना है कि कल से मुख्यमंत्री मप्र के चुनाव क्षेत्रों के दौरे भी शुरू कर रहे हैं। भाजपा अब तक 136 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी है। वहीं कांग्रेस की पहली सूची 15 अक्टूबर को नवरात्र के पहले दिन आने के आसार हैं, यह सौ नामों की हो सकती है। इधर, चुनाव की सरगर्मी बढ़ते ही मैदानी स्तर पर प्रशासनिक अफसरों ने जांच, छापे आदि शुरू कर दिये हैं।

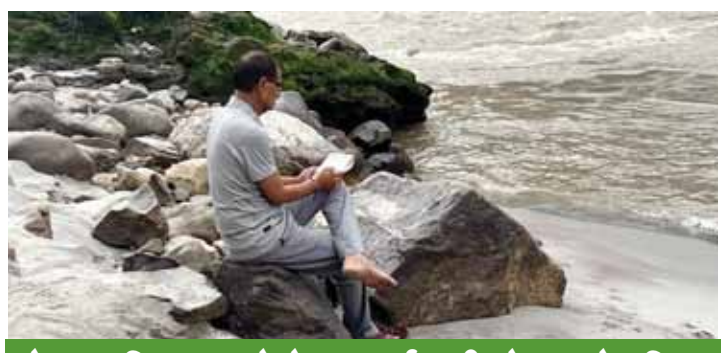

टेरर फंडिंग मामले में एनआईए की भोपाल में दबिश

प्रतिबंधित संगठन पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया से जुड़ी फंडिंग के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम ने भोपाल खानूगांव में दबिश दी है। यहां टीम जांच कर रही है। फंडिंग के मामले में एनआईए की टीम ने अन्य राज्यों में भी दबिश दी है। जानकारी के अनुसार एनआईए की टीम ने प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को फंडिंग से जुड़े मामले में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों में एक साथ छापामार कार्रवाई की। मप्र की राजधानी भोपाल के खानूगांव में भी एनआइए की टीम ने दबिश दी है। गौरतलब है कि पीएफआई संगठन को देशविरोधी गतिविधियों के चलते पिछले साल ही केंद्र सरकार द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया था। मप्र एटीएस ने टेरर फंडिंग मामले में नीमच से एक व्यापारी को हिरासत में लिया है। सूत्रों के मुताबिक नीमच के व्यापारी दीपक सिंघल ने करोड़ों रुपए का हवाला सेल कंपनियों के मार्फत किया है। व्यापारी पर आरोप है कि उसके कनेक्शन चीन में भी हैं। व्यापारी ने हवाला के जरिए कई देशों में करोड़ों रुपए का लेनदेन किया है। जीएसटी विभाग का भी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों रुपए का टैक्स नहीं चुकाया है।

एक्शन में अफसर

भोपाल के पास कार से नकदी और चांदी की ईंटें बरामद

भोपाल/रायसेन, दोपहर मेट्रो।

चुनाव का एलान व आचार संहिता लगते ही प्रशासन के अफसर चुनाव आयोग के निर्देशों पर अमल में जुटे हैं। बड़े पैमाने पर धरपकड व तलाशी चल रही हैं। पुलिस व अन्य जांच एजेंसिया और आयकर विभाग के भी सक्रिय होने की खबरें हैं। इधर सांची विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत एसएसटी चेक प्वाइंट पर पुलिस टीम ने जांच के दौरान एक कार से 21 लख रुपए नकद जब्त किए हैं। कर में चांदी की पांच ईंटें भी बरामद की गई हैं। कार नंबर एमपी 40 सीए 7058 इको स्पोर्ट के चालक आकाश जैन से पूछताछ की जा रही है। इससे पहले मंगलवार रात को एसएसटी दल द्वारा सांची विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बिलखिरिया पेट्रोल पंप के पास नाके पर चेकिंग के दौरान एक कार से 22 बोर की रायफल जब्त की थी। जांच में कार के ड्राइवर जहांगीराबाद भोपाल निवासी मोहम्मद शाबिर के पास गाड़ी में राइफल पाई गई, जिसका लाइसेंस वह पेश नहीं कर पाया।

शिवराज की यात्रा पर नाथ बोले - आध्यात्मिक भ्रष्टाचार

मप्र कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की आध्यात्म व चिंतन यात्रा को लेकर कहा कि 'मुख्यमंत्री को ज्ञात होना चाहिए कि जिस पूजनीय गंगा मां के किनारे शांति की तलाश में वो कैमरे की टीम के साथ गये, उस गंगा माँ के 'गंगाजल' पर उनके दल की भाजपा सरकार द्वारा ही जीएसटी लगाकर धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया गया है। मुझे आशा है कि भाजपा में भी जो कुछ अच्छे नेता और समर्थक बचे हैं, वो भी 'गंगाजल पर जीएसटी' लगाने के हमारे इस विरोध का समर्थन करेंगे।' नाथ ने कहा 'गंगाजल' पर टैक्स लगाना भाजपा का आध्यात्मिक भ्रष्टाचार है।

जैश आतंकी शाहिद को सियालकोट में गोली मारी

पठानकोट हमले के मास्टर माइंड की पाक में हत्या

नई दिल्ली , एजेंसी।

पठानकोट हमले के मास्टमाइंड शाहिद लतीफ की पाकिस्तान के सियालकोट में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। शाहिद लतीफ एनआईए के मॉस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल था। रिपोर्ट्स के मुताबिक लतीफ पर अज्ञात लोगों ने गोलियां चलाईं। 2 जनवरी, 2016 को जैश के आतंकियों ने पठानकोट में एयरबेस पर हमला कर दिया था। इसमें 7 जवान शहीद हो गए थे। 36 घंटे एनकाउंटर और तीन दिन तक कॉम्बिंग ऑपरेशन चला था। शाहिद लतीफ आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का एक प्रमुख सदस्य था। उसने ही चारों छद्मरू आतंकवादियों को पठानकोट भेजा था। लतीफ पर उन आतंकियों में भी शामिल होने का आरोप है, जिन्होंने 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान को अगवा किया था।

एयरफोर्स के स्टेशन पर भारतीय सेना तैनात

पठानकोट में एयरफोर्स के स्टेशन पर तैनात भारतीय सेना का जवान भारतीय सेना की वर्दी में आए थे हथियारबंद आतंकी एयरबेस पर यह हमला 2 जनवरी 2016 को हुआ था। भारतीय सेना की वर्दी में आए हथियारबंद आतंकियों ने इसे अंजाम दिया था। वे सभी भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर रावी नदी के रास्ते आए थे। भारतीय इलाके में पहुंचकर आतंकियों ने कुछ गाड़ियां हाईजैक कीं और पठानकोट एयरबेस की ओर बढ़ गए। इसके कैंपस की दीवार कूदकर, लंबी घास से होते हुए उस जगह पहुंचे, जहां सैनिक रहते थे। यहां उनका पहला सामना सैनिकों से हुआ। फायरिंग में चार हमलावर मारे गए और तीन जवान शहीद हो गए।

धूमल से माफी मांगने हिमाचल पहुंचे रमेश

हमीरपुर, एजेंसी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश मंगलवार ने देर रात हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के निवास पर मुलाकात करके माफी मांगी तथा धूमल से आग्रह किया कि उनके खिलाफ दायर मानहानि के केस को वो वापस ले लें। धूमल ने भी बडप्पन दिखाते हुए उन्हें माफ कर दिया। दरअसल धूमल की ओर से रमेश के खिलाफ प्रदेश उच्च न्यायालय में दायर मानहानि मामले में आगामी सुनवाई 4 नवंबर को है। यह मामला वर्ष 2015 से जुड़ा है। तब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने पत्रकार वार्ता में पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के खिलाफ आरोप लगाए थे। इन आरोपों को पूर्व मुख्यमंत्री ने निराधार और झूठ करार दिया था।

मोदी स्टेडियम उड़ाने की धमकी देने वाला मप्र का, गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी

नरेंद्र मोदी स्टेडियम को उड़ाने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। खबरों के मुताबिक, स्टेडियम को उड़ाने की धमकी देने वाला ई मेल बीते दिनों मिला था। अहमदाबाद पुलिस ने आज बताया कि आरोपी को गुजरात के राजकोट से गिरफ्तार किया गया, जिसकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं है। गौरतलब है कि फिलहाल क्रिकेट विश्व कप का आयोजन हो रहा है, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच 14 अक्टूबर को मुकाबला अहमदाबाद स्थित मोदी स्टेडियम में होना है। बताया जाता है कि राजकोट से गिरफ्तार आरोपी ने एक ईमेल भेजकर दावा किया था कि स्टेडियम में विस्फोट होगा। गिरफ्तार आरोपी मूलरूप से मध्य प्रदेश का रहने वाला है और फिलहाल राजकोट के बाहरी इलाके में रहता था।

दर्दनाक हादसा: सड़क दुर्घटना में छह युवकों की मौत

भिवानी, एजेंसी

बीती देर रात यहां सेरला के समीप सड़क हादसे में चार युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो युवकों की अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत हो गई। हादसा कार और ट्रक की टक्कर से हुआ। देर रात को गाड़ी में सवार छह युवक गांव सेरला की तरफ आ रहे थे कि सड़क पर खड़े एक ट्रक से उनकी गाड़ी की जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी के परखचें उड़ गए। चार मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। सभी युवकों के शवों को नागरिक अस्पताल लाया गया है।

मणिपुर हिंसा के बीच विस्थापितों की जमीन हड़प रहे लोग

इंफाल, एजेंसी।

मणिपुर सरकार ने राज्य के लोगों से विस्थापित लोगों की जमीन न हड़पने की अपील की है। साथ ही अधिकारियों को ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। राज्य के कमिश्नर (गृह) टी रनजोत सिंह ने मंगलवार को इसे लेकर एक आदेश जारी किया है। इस आदेश में सुप्रीम कोर्ट के 25 सितंबर के आदेश का जिक्र है। दरअसल, 25 सितंबर को एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्य की धार्मिक इमारतों को अतिक्रमण और नुकसान या नष्ट होने से बचाया जाना चाहिए। मणिपुर सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि विस्थापित लोगों की प्रॉपर्टी और हिंसा में क्षतिग्रस्त होने वाली प्रॉपर्टी की सुरक्षा की जाएगी और अतिक्रमण रोका जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि सरकार ऐसे लोगों को दूसरों की प्रॉपर्टी पर कब्जा छोड़ने का आदेश दे।

मेट्रो एंकर

आठ देशों को अकेले धूल चटा चुका है इजराइल

मणिपुर से भी छोटा मगर कई ताकतवर मुल्कों पर भारी

नई दिल्ली , एजेंसी।

इजराइल की आतंकी संगठन हमास के साथ जंग और तेज हो गई है। अब अमेरिका के युध्दपोत भी युध्द का साजोसामान लेकर इजराइल की मदद के लिये पहुंच गये हैं। हालांकि इजराइल आकार प्रकार में बहुत छोटा है लेकिन उसकी ताकत का लोहा दुनिया मानती है, वह कई देशों को चंद दिनों में धूल चटा चुका है। लेकिन बदकिस्मती से इजराइल का पड़ोस हमेशा तकलीफदेह रहा है। उसकी पड़ोसियों से तनाव की स्थिति बनी ही रहती है। इस बार भी वह हमास पर कहर बनकर टूटा है।

दरअसल, मौजूदा समय इजरायल की आबादी करीब 98 लाख है, आबादी में इजरायल भारत के उत्तराखंड से भी कम है। इजरायल का क्षेत्रफल 22,145 वर्ग किलोमीटर मीटर है, जबकि इससे ज्यादा भारत में मणिपुर का क्षेत्रफल 22,327 वर्ग मीटर है। इतना छोटा देश होने के बावजूद इजरायल की तरफ कोई आंख उठाकर नहीं देख सकता तो वजह है सेना और उसकी हाईटेक टेक्नोलॉजी। इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद दुनिया की सबसे ताकतवर एजेंसियों में से एक है। जो किसी भी ऑपरेशन को कहीं भी अंजाम दे सकती ह। इसीलिये हमास पर इजरायल की सेना ताबड़तोड़ हमले कर रही है। इजरायल और फिलिस्तीन के बीच तनातनी काफी पुरानी है. करीब 23 लाख फिलस्तीन नागरिकों की रिहाइश का ठिकाना बनी गाजा पट्टी पर हमास ने साल 2007 में कब्जा कर लिया था. इसके एक साल पहले उसने यहां के संसदीय चुनावों में जीत हासिल की थी।

इजराइल के पीएम ने अपने बेटे को सैन्य अभियान के लिए रवाना किया।

चारों तरफ दुश्मनों से घिरा देश

इजरायल हर तरफ से दुश्मनों से घिरा हुआ है, लेकिन उससे अब तक जो भी भिड़ा है, उसे शिकस्त मिली। 1948 में इजरायल के बनने के साथ ही इसके 8 पड़ोसी देशों ने मिलकर हमला कर दिया, लेकिन इजरायल की सेना अकेले सबको खदेड़ दिया था। इजरायल एक यहूदी देश है और इसके तमाम पड़ोसी देश मुस्लिम हैं। अधिकतर पड़ोसी देशों से इजरायल की दुश्मनी है, जो हमेशा उस पर हमले की फिराक में रहते हैं। कुल मिलाकर इजरायल करीब 13 मुस्लिम देशों से घिरा है। जिनमें मिस्र, इराक, अल्जीरिया, कुवैत, सीरिया, जॉर्डन, लेबनान, लीबिया, मोरक्को, सऊदी अरब, फिलिस्तीन, सूडान और ट्यूनीशिया जैसे देश शामिल हैं।

अमेरिका के तबाही दस्ते भी पहुंचे

इजरायल को अमेरिका का न सिर्फ साथ मिला बल्कि उसने आगे आकर अपने खतरनाक हथियार,गोला-बारूद और सैनिक भी इजरायल भेज दिए हैं। अमेरिकी गोला-बारूद से लैस प्लेन और गेराल्ड आर फोर्ड युद्धपोत इजरायल के करीब पहुंच गया है। इस अमेरिकी विमान में बेहद हाइटेक गोला-बारूद हैं। इसके इजरायल के नेबातिम एयर बेस पर लैंडिंग की। माना जा रहा है कि इसके बाद भी कई अमेरिकी विमान गोला-बारूद लेकर इजरायल पहुंच सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन आज इजरायल के दौरे पर पहुंच सकते हैं।

अफसरों ने पहले 40 ट्रेनें निरस्त कर बढ़ाई धड़कन अब बहाल करके पहुंचा रहे आर्थिक नुकसान

श्रीधाम एक्सप्रेस समेत 40 ट्रेनें नहीं रहेंगी निरस्त, रेलवे ने वापस लिया निर्णय

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

श्रीधाम एक्सप्रेस समेत जिन 40 ट्रेनों को रेलवे ने निरस्त किया था, अब वे निरस्त नही रहेंगी। बल्कि तय समय और रूट पर चलती रहेंगी। ये ट्रेनें 13 से 28 अक्टूबर तक निरस्त रहनी थी। रेलवे ने इन ट्रेनों को भोपाल से इटारसी के बीच बरखेड़ा–बुधनी तीसरी रेल लाइन की पटरियों को पुरानी पटरियों से जोड़ने के काम के चलते निरस्त करने का निर्णय लिया था लेकिन इस काम को तकनीकी कारणों से फिलहाल टाल दिया गया है जिसके कारण ट्रेनों के निरस्तीकरण को भी बहाल कर दिया है।

कुछ यात्रियों ने तो ट्रेनों के निरस्त होने के तत्काल बाद यात्रा ही रद्द कर दी थी और जहां जाने वाले थे उन शहरों में कराई गई होटल आदि की बुकिंग को भी कैंसिल करा लिया था। रेलवे ने एक महीने के भीतर दूसरी बार यह इस गफलत की स्थिति पैदा की है। इसके पहले भोपाल एक्सप्रेस को लेकर भी इसी तरह का घटनाक्रम हो चुका है।

यात्रियों ने महंगी ट्रेनों में टिकट बुक करा लिए

ट्रेनों को पहले निरस्त करने और बाद में बाहल किए जाने के रेलवे के निर्णय की वजह से हजारों यात्रियों को परेशान होना पड़ा है। रेलवे द्वारा पहले दिन जैसे ही ट्रेनों को निरस्त करने की सूचना संबंधित ट्रेनों में टिकट बुक करा चुके यात्रियों को लगी तो वे परेशान हो गए। जिन्हें जरूरी यात्रा करनी थी, उन्होंने दूसरी ट्रेनों में टिकट खोजने शुरू कर दिए। सस्ती ट्रेनों में टिकट नहीं मिले तो महंगी ट्रेनों में टिकट बुक करा लिए। ऐसा कई यात्रियों ने किया। इसी बीच बुधवार रात को अचानक रेलवे ने मैसेज कर बताया कि ट्रेनें निरस्त नही रहेंगी, बल्कि अपने तय समय पर चलती रहेंगी। रेलवे के इस निर्णय से फिर यात्री पेशोपेश में पड़ गए है। यह स्थिति उन यात्रियों के साथ बन रही है जिन्होंने दूसरी ट्रेनों में टिकट खरीद लिए हैं। ऐसे में यात्रियों को आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ा।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के दस मामलों में लिया संज्ञान

हमीदिया अस्पताल में अव्यवस्थाएं, आयोग ने स्वास्थ्य विभाग को दिए जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के दस मामलों में संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है। इसमें तीन मामले हमीदिया अस्पातल से जुड़े हुए हैं। आयोग ने हमीदिया अस्पताल में सुविधाओं की कमी, रेप पी?ता को मेडिकल के कई घंटे परेशान होने और पार्किंग विवाद के मामले में संज्ञान लिया है। हमीदिया अस्पताल में पिछले आठ माह से जांच केन्द्र में कैमिकल किट का अभाव बना हुआ है जबकि इसी रसायन से रोग की स्पष्ट जांच रिपोर्ट तैयार होती है। वहीं बीते शुक्रवार आई रेप पी?ता को मेडिकल के लिये पांच घंटे तक परेशान होना प?ा। उसके साथ आई महिला आरक्षक से भी डॉक्टरों ने बदसलूकी की। फिर आरक्षक के विरोध और जोर अजमाईश से आधे घंटे में मेडिकल हो पाया। दोनो ही मामलों में आयोग ने संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं, (म.प्र.) संचालनायल, भोपाल को जांच कराने और की गई कार्यवाही के सम्बन्ध में 15 दिन मे जवाब भेजने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा नो पार्किंग में बाइक के 1000 रूपये मांगने के विरोध में युवक को लाठी से पीटने के मामले में पुलिस आयुक्त से जवाब मांगा है।

खंभा शिफ्ट किये बिना कर दिया डामरीकरण, अब हादसे का डर

आयोग के संज्ञान में आया है कि भोपाल जिले के कोलार क्षेत्र मे स्थित गेहूंखेड़ा चैराहे से हिनौतिया आलम की ओर जाने वाली रोड के दोनों तरफ सड़क निर्माण किया जा रहा है। लेकिन सरकारी एजेंसियों ने सड़क पर ही एक बिजली का खंभा शिफ्ट किये बगैर ही डामरीकरण कर दिया। रोजना उस मार्ग पर 50 हजार से ज्यादा आवाजाही होती है। जिसके चलते हमेशा इस मार्ग पर हादसे की सम्भावना बनी रहेगी। इसके साथ ही अन्य 5 मामलों में भी जांच के निर्देश दिए गए हैं।

इंजीनियरिंग प्रवेश: हिंदी में इंजीनियरिंग के लिए 80 विद्यार्थियों ने लिया प्रवेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के कॉलेजों में यूजी-पीजी सहित इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा इंजीनियरिंग प्रवेश के लिए कराई गई काउंसलिंग में विद्यार्थियों की पहली पसंद कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग रहा है। सीटें फुल होने के बाद बचे हुए कई विद्यार्थियों ने हिंदी में इंजीनियरिंग वाले कॉलेजों में सीएसई में प्रवेश लिया है। हिंदी में इंजीनियरिंग के लिए इस साल 80 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। यह संख्या पिछले साल के मुकाबले चार गुना से अधिक है। सबसे अधिक 74 विद्यार्थियों ने सीएसई व दूसरे नंबर पर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में 9 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इस बार चार कॉलेजों को हिंदी में इंजीनियरिंग के लिए चयनित किया गया है। इन कॉलेजों में 150 सीटें है। बीते साल सिर्फ 18 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था।

आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी कॉलेजों में पीजी प्रवेश के लिए आज से शुरू पंजीयन

शासकीय और निजी आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी महाविद्यालयों में पीजी कोर्स के लिए प्रथम चरण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी, जिसके तहत पंजीयन 11 से 16 अक्टूबर तक हो सकेगा। इसके बाद सत्यापन 11 से 17 अक्टूबर सुबह 10 से शाम 6 बजे तक होगा। रिक्त की स्थिति का प्रदर्शन 18 अक्टूबर को और इसके बाद मेरिट लिस्ट का प्रकाशन 19 अक्टूबर को किया जायेगा।

बिग बी पर फिल्माए गीतों की प्रस्तुति देकर मनाया बर्थडे

भोपाल। शहर में आज बिग बी बर्थडे सेलिब्रेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन का आज 82वां जन्मदिन है। इस मौके पर समिति द्वारा बीकानेर कर्मचारी भवन गीतांजलि चौराहे के पास विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अमिताभ बच्चन पर फिल्माए गए गीतों की प्रस्तुति दी गई। वहीं शहर के वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया।

छात्रों की सफलता का मूल मंत्र हैं शिक्षकों का मार्गदर्शनः राहुल

मिठी पब्लिक स्कूल में अभिप्रेरणात्मक सत्र का आयोजन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में अभिप्रेरणात्मक सत्र का आयोजन किया गया, जिसका मूल उदेद्श्य छात्रों को नियमित अध्ययन एवं जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने टिप्स देना था। सत्र में विद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. राहुल वर्मा एवं उनके परिवार को विद्यालय परिवार की ओर से सम्मान किया गया। राहुल ने विद्यालय परिवार एवं सिद्धभाऊजी द्वारा भाऊजी द्वारा समय-समय पर हुए अभिप्रेरणात्मक सत्रों का उनके व्यक्तिगत जीवन पर विशेष प्रभाव रहा, जिसका परिणाम यह रहा कि उन्होंने शाकाहार जीवन शैली को अपनाया तथा अध्ययन के प्रति गंभीर बने रहे। राहुल ने कहा, कहा कि जीवन में हर लक्ष्य समय के सदुपयोग, आत्मविश्वास एवं दृढ़ इच्छाशक्ति के बलबूते प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षकों का मार्गदर्शन एवं उनके प्रति कृतज्ञता का भाव सफलता के शिखर तक पहुंचाता है। संस्था उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी, सचिव एसी साधवानी, सह-सचिव, के.एल. रामनानी, मैनेजमेंट ट्रस्टी घनश्याम बूलचंदानी, अकादमिक डारेक्टर गोपाल गिरधानी, प्रशासनिक अधिकारी भगवानदास बाबानी, विद्यालय प्राचार्य अजय बहादुर सिंह, उप-प्राचार्या आशा चंगलानी ने राहुल को डॉक्टर बनने पर बधाई दी।

एक महीने से तीन वार्ड में प्रभारी नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नगर निगम में तीन अलग-अलग वार्ड में प्रभारियों की नियुक्ति नहीं होने से स्थानीय रहवासियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नतीजा यह है कि इन वार्डों में न तो निगम के संपत्ति कर व जलकर समेत अन्य राजस्व की वसूली हो रही है और न ही जनता के काम हो रहे हैं। संबंधित वार्डों के रहवासियों को मजबूरी में जोनल कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। बता दें कि समग्र घोटाले की वजह से करीब एक माह पहले वार्ड 69 के प्रभारी शिवकुमार गोफनिया को हटाया गया था। तब से यहां नए वार्ड प्रभारी की नियुक्ति नहीं की गई। इसी प्रकार वार्ड 48 और 81 में नए वार्ड प्रभारी की नियुक्ति का आदेश होने के बाद भी अब तक यहां किसी ने ज्वाइन नहीं किया। जबकि इस समय नगर निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए ने हर माह 20 करोड़ रुपये राजस्व वसूलने का लक्ष्य रखा है। लेकिन वार्डों में प्रभारी नहीं होने से वसूली नहीं हो पा रही है। इधर चुनाव की आचार संहिता लगने के बाद निर्वाचन संबंधित कार्यों का जिम्मा भी निगम अधिकारियों और कर्मचारियों को सौंपा गया हैं। लेकिन मैदानी अमला नहीं होने से ये काम भी प्रभावित हो रहे हैं।

कहानी कहने का सत्र किया आयोजित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस-के अवसर पर माइंड प्लस लाइफ, मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत संस्था, ने एक कहानी कहने का सत्र आयोजित किया। कार्यक्रम ने व्यक्तियों को अपने व्यक्तिगत संघर्ष को एक खुले मंच पर साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसने ऐसे किसी भी व्यक्ति को आशा की किरण प्रदान करने की भावना को बढ़ावा दिया जो स्वयं को अपनी वर्तमान परिस्थितियों से निपटने में असमर्थ पाता है। इस वर्ष के मानसिक स्वास्थ्य दिवस का विषय मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है। 7 व्यक्तियों ने कहानियों, कविता और कला के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य समस्या से निपटने के अपने संघर्ष को साझा किया। प्रतिभागियों में से एक, अल्फिया, उम्र 16, ने अपने संघर्ष को साझा किया कि वह अपने बचपन के मुद्दों से कैसे निपटती है। एक अन्य प्रतिभागी, आशीष शाक्य ने कहानी कहने की कला के माध्यम से शैक्षणिक और कैरियर की समस्याओं के साथ अपने संघर्ष को व्यक्त किया। मनोवैज्ञानिक डॉ. नूरजहाँ खान और मणि प्रभा के साथ प्रशिक्षुओं ने विभिन्न प्रकार की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और उनसे जुड़े कलंक से संबंधित जानकारी प्रदान करने के संबंध में दर्शकों के साथ बातचीत की। डॉ. नूरजहाँ ने साझा किया कि, हमें अपने मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल के लिए अपनी भावनाओं को ठीक से व्यक्त करने की आवश्यकता है।सुश्री मणि प्रभा ने इस वर्ष के मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम पर प्रकाश डालते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि हमारा अधिकार हमारा मन कैसे है?

मेट्रो एंकर | टिकट मिलने के बाद रामेश्वर अब प्रचार के मोर्चे पर

ईश्वर-संतों का आशीर्वाद लिया, कहा- हुजूर मेरा परिवार

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मंगलवार को भाजपा की चौथी लिस्ट में हुजूर से तीसरी बार उम्मीदवारी घोषित होने के बाद मंगलवार को मौजूदा विधायक रामेश्वर शर्मा ने आस्था स्थलों पर जाकर आशीर्वाद लिया। शर्मा ने कहा हिन्दुत्व और विकास मेरी राजनीति का लक्ष्य रहा। मेरे लिए हुजूर विधानसभा क्षेत्र नहीं मेरा परिवार है। परिवार से स्नेह मिला है, 10 सालों के विकास के जो काम किए हैं, वह सबके सामने हैं। शर्मा ने अपने चुनावी प्रचार की शुरुआत विधानसभा क्षेत्र के मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर माथा टेककर की। वे चार इमली स्थित हनुमान मंदिर, गुफा मंदिर, श्री नंदीश्वरदीप जिनालय, लालघाटी पहुँचे और दण्डवत प्रणाम किया। संतनगर में हिरदारामजी की कुटिया में सेवा संकल्प धाम में माथा टेका एवं संतजी के शिष्य सिद्धभाऊजी का आशीर्वाद लिया। इसके बाद श्री गुरूद्वारा साहेब, सीआरपी संतनगर, श्री हरिहर गुरु साहिब, हरिहर नगर फंदा, श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर, तूमड़ा में आशीर्वाद लिया। साथ ही टेम्पल ऑड़ संबोधि में वेदान्त संत लाल साईं का आशीर्वाद लिया।

फिर मिला है सेवा का अवसर

संतनगर में मीडिया से चर्चा करते हुए शर्मा ने कहा, अपने परिवार की सेवा का अवसर फिर मिला है। हुजूर विधानसभा जनता नहीं है बल्कि मेरा परिवार है, मैं इनका बेटा हूँ, मैं इनका भाई हूँ। इनके लिए जिऊंगा, इनके लिए मरूँगा। इनके सामने कोई ऐसी समस्या नहीं रहने दूंगा जिसके कारण यह परेशान हों, बल्कि इनकी समस्या मेरी समस्या होगी।

कांग्रेस बेरोजगार प्रकोष्ठ की वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनी ममता

हिरदाराम नगर।, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ ने बेरोजगार प्रकोष्ठ का गठन किया गया है, जिसमें जिला कांग्रेस कमेटी के (शहर) जिलाध्यक्ष मोनू सक्सेना की अनुशंसा पर प्रकोष्ठ में जिला भोपाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष के के लिए ममता गनवानी की नियुक्ति की है। गनवानी ने कांग्रेस नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। कांग्रेस नेता आनंद सबधानी समेत अन्य नेताओं ने बधाई दी है।

बोर्ड परीक्षा के विषय बदलने और आवेदनों में सुधार का मामला

500 रुपये में सुधरेगी गलती, साथ में देना होगा शपथ पत्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बोर्ड परीक्षाओं के विषयों में बदलाव और आवेदनों में सुधार के लिए 10वीं, 12वीं के विद्यार्थियों और अभिभावकों को 500 रुपये तक चुकाने होंगे। साथ में एक शपथ पत्र भी देना होगा। इतना करने के बाद ही सुधार हो सकेगा। यह सुधार 31 अक्टूबर तक ही करा सकेंगे। इसके बाद गलतियां नहीं सुधारी जा सकेंगी।

31 अक्टूबर तक हो सकेगा सुधार, माशिमं ने जारी किए दिशा-निर्देश

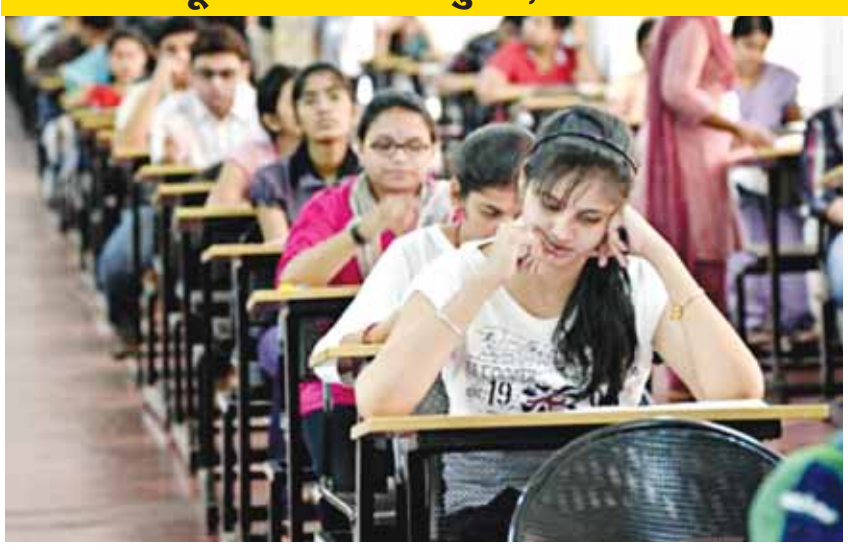

यह भी करना होगा

जिन स्कूलों के विद्यार्थियों का विषय या संकाय में त्रुटि सुधार किया रहा है। वहां के प्राचार्य को एमपी आनलाइन पोर्टल पर संबंधित छात्र की 11वीं उत्तीर्ण की अंकसूची एवं इस आशय का घोषणा-पत्र अपलोड करना अनिवार्य होगा।

उल्लेखनीय है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल ने कि नौवीं के आधार पर 10वीं और 11वीं के आधार पर 12वीं में विद्यार्थियों की जानकारी अपडेट होंगी। विद्यार्थी ने नौवीं व 11वीं में जो विषय का चयन किया है, वहीं विषय 10वीं एवं 12वीं में ले सकेंगे, लेकिन कई स्कूलों व विद्यार्थियों को आवेदन मंडल पहुंच रहे है कि नौवीं व 11वीं में उनके द्वारा जिन विषयों का चयन कर परीक्षा दी गई है।स्कूलों द्वारा नौवीं व 11वीं के आनलाइन अंकों की प्रविष्टि के समय त्रुटिपूर्ण अन्य विषय या संकाय की प्रविष्टि कर दी गई है। इस कारण 10वीं या 12वीं के परीक्षा आवेदन-पत्र भरते समय अन्य विषय प्रदर्शित हो रहे हैं।

विद्यार्थियों द्वारा नौवीं व 11वीं में अध्यनरत विषयों के आधार पर ही 10वीं एवं 12वीं में विषय में सुधार के लिए आवेदन प्रस्तुत किए जा रहे है। अधिकारियों का कहना है कि नौवीं व 10वीं या 11वीं व 12वीं में विषयों का चयन एक समान होना चाहिए। स्कूल द्वारा आनलाइन प्रविष्टि में विषयों में की गई त्रुटि के सुधार के लिए 31 अक्टूबर तक सुधार के लिए ऑनलाइन सुविधा दी है।

इंजीनियरिंग के द्वितीय वर्ष के लिए 12 भाषाओं में 88 पुस्तकों पर काम हुआ शुरू

दिसंबर तक कार्य पूरा होने की संभावना, आरजीपीवी के हिस्से आया हिंदी की जिम्मेदारी

भोपाल। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा डिप्लोमा एवं इंजीनियरिंग की पुस्तकें क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार करने प्रक्रिया जारी है। इसके पहले चरण का कार्य लगभग पूरा हो चुका है, वहीं अब इंजीनियरिंग के द्वितीय वर्ष के लिए 12 भाषाओं में 88 पुस्तकों पर काम भी शुरू हो गया है। राजीव गांधी प्रौद्यागिकी विवि (आरजीपीवी) को हिन्दी की जिम्मेदारी दी गई है। समन्वय हिन्दी अनुवाद परियोजना डॉ. शंशिरंजन अकेला ने बताया कि 88 पुस्तकों पर काम शुरू किया गया है। इसमें 42 पुस्तकें इंजीनियरिंग और 46 पुस्तकें डिप्लोमा की हैं। सूत्र बताते हैं कि 40 प्रतिशत किताबों का ही अनुवाद हो सका है। यह काम पूरा होने के दिसंबर तक का समय लग सकता है।

176 शिक्षक एवं अनुवादक किताबों को हिन्दी में कर रहे

देश के करीब 176 शिक्षक एवं अनुवादक किताबों को हिन्दी में कर रहे हैं। एआईसीटीई को करीब दो हजार आवेदन प्राप्त मिले, इनमें आईआईटी दिल्ली, आईआईटी रूड़की, आईआईटी कानपुर, आईआईटी मुम्बई, आईआईटी मद्रास के प्रोफसर एवं शिक्षक हैं। हिन्दी के अलावा 2 पुस्तकें अंग्रेजी तथा शेष 22 पुस्तकें क्षेत्रीय भाषाओं में है। हिन्दी, ओडिया, मराठी, बंगाली, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, पंजाबी, गुजराती में अनुवाद शुरू कर बाद में उर्दू, मलयाली, असमिया को जोड़ा गया।

सदस्यता ली....

भोपाल। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी.डी. शर्मा, पूर्व कैबिनेट मंत्री उमाशंकर गुप्ता एवं मीडिया चेयरपर्सन आशीष अग्रवाल के समक्ष पूर्व कांग्रेस नेता योगेश गुप्ता ने भाजपा की सदस्यता ली।

वापसी....

भोपाल। सागर ज़िले के कांग्रेस नेता व पूर्व विधायक अरुणोदय चौबे ने पीसीसी अध्यक्ष कमलनाथ से मिलकर पार्टी में वापसी की।

पूर्व कांग्रेस विधायक का आरोप छिंदवाड़ा में भाजपा नेताओं के कहने पर तबादले

छिंदवाड़ा, भोपाल। पूर्व विधायक दीपक सक्सेना ने चुनाव आयोग से शिकायत की है। शिकायत में कहा है कि सक्सेना ने शिकायत में कहा है कि भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू ने एक सिफारिशी पत्र जून में सीएम शिवराज सिंह चौहान को लिखा था। इसमें 66 अफसरों के नाम थे। उन्होंने इसकी शिकायत अगस्त माह में कलेक्टर से की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने सक्सेना की शिकायत पर अधिकारियों की पदस्थापना की जानकारी कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी छिंदवाड़ा से मांगी है।

श्राद्ध वाली पोस्ट पर कार्तिकेय हुए आहत

भोपाल। सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का फोटो लगे मामा का श्राद्ध लिखी एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। इस पोस्ट से मुख्यमंत्री के पुत्र कार्तिकेय सिंह भी इससे बेहद आहद हैं। उन्होंने कांग्रेस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर भावुक टिप्पणी की है। इसे लेकर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई ही है। बता दें सोशल मीडिया के विद कांग्रेस पेज पर वायरल की जा रही इस पोस्ट में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की फोटो के साथ मामा का श्राद्ध में भाजपा ने दिया शिवराज मामा को टिकट जैसी आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। शिवराज सिंह के पुत्र कार्तिकेय ने जवाबी पोस्ट में लिखा है- समझ नहीं आ रहा कि आप (पोस्ट करने वालों) पर दया करूं या गुस्सा?, गुस्से में तो हूं, आखिर मेरे जीवित पिता के श्राद्ध की बात आप कर रहे हैं। मुझे तरस भी आप लोगों पर आता है कि कांग्रेसी कितना नीचे गिर चुके हैं। क्या आपको लगता हैं कि इसके लिए ईश्वर आपको माफ करेगा? चुनाव तो चार दिन के हैं, ऐसी घटिया हरकत के बाद क्या आप लोग अपने बच्चों से आंख मिला पाएंगे?

मेट्रो एंकर | **मध्यप्रदेश सूचना आयोग के हाल**

दो साल में नहीं हो पाई सूचना आयुक्तों की नियुक्ति अब *दो महीने* और टली

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र सूचना आयोग में सूचना आयुक्त के रिक्त पदों को भरने की तैयारी एक बार फिर अधर में रह गई है। आवेदन बुलाने के दो साल भी में आयोग में सूचना आयुक्तों की तैनाती नहीं हो पाई है। विधानसभा चुनावों की आचार संहिता लगने से पहले आनन-फानन में बैठक बुलाई गई थी, जिसे नेता प्रतिपक्ष की आपत्ति के बाद स्थगित कर दिया गया है।

मध्य प्रदेश में सूचना आयुक्त के रिक्त पदों को भरने के लिए सरकार ने 11 नवंबर 2021 में प्रस्ताव आमंत्रित किए थे। सामान्य प्रशासन विभाग को इसके लिए 121 आवेदन मिले थे। राज्य सरकार राज्य सूचना आयोग में अधिकतम 10 सूचना आयुक्त की नियुक्ति कर सकती है। वर्तमान में नौ पद रिक्त पड़े हैं। 2 साल की लंबी अवधि में भी सरकार ने इन पदों को भरने के लिए कोई कार्यवाही नहीं की। अब आयोग में मुख्य आयुक्त और एक आयुक्त ही हैं तथा अगले दो महीने तक यही स्थिति रहने के आसार हैं।

उल्लेखनीय होगा कि सूचना आयुक्त के रिक्त पदों को भरने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने 8 अक्टूबर को रात 9:30 बजे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह को सूचना भेजी थी और सुबह 9 बजे बैठक के आयोजन की जानकारी दी थी। तब भोपाल जिले से बाहर होने का हवाला देते हुए नेता प्रतिपक्ष ने रविवार को रात में ही सामान्य प्रशासन विभाग को अपनी आपत्ति दर्ज कर दी थी। उन्होंने बैठक करने के लिए तीन दिन का समय मांगा था। नेता प्रतिपक्ष ने कहा था कि यदि उनकी अनुपस्थिति में सरकार रिक्त सूचना आयुक्तों के पदों को मनमाने तरीके से भर्ती है तो वह न्यायालय की शरण लेंगे। इसके बाद सरकार को बैठक रद्द करना पड़ी और उसी दिन चुनाव का ऐलान भी हो गया।

चुनाव आयोग के एप पर पनागर विधानसभा से आई शिकायत

- एप पर शिकायत करते ही 100 मिनट में होगा समाधान, शिकायतकर्ता की रहेगी गोपनीयता
- आचार संहिता का उल्लंघन करने पर नागरिक कर सकते हैं शिकायत

जबलपुर, भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र में चुनाव आयोग ने नागरिकों के लिए एक एप लॉन्च किया है। इस एप पर नागरिक अपने आसपास आचार संहिता का उल्लंघन या चुनाव से संबंधित कोई भी शिकायत कर सकते हैं। चुनाव आयोग इस पर कार्रवाई करेगा। इस एप के माध्यम से पहली शिकायत पनागर विधानसभा क्षेत्र से आई। इसी कड़ी में दूसरी शिकायत भी पनागर से ही आई। जिनकी जांच कर आरओ के माध्यम से उनका निराकरण करा दिया गया।

शिकायतकर्ता की गोपनीयता बरकरार रखने और उसे किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचने देने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग ने सी-विजिल एप लांच किया। इस एप के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों को त्वरित रूप से फॉलो कर 100 मिनट के अंदर संबंधित शिकायत का समाधान करने के निर्देश आयोग की ओर से दिए गए हैं।

108 एंबुलेंस के जनप्रतिनिधियों के चित्र

पनागर विधानसभा से मिली पहली शिकायत यह रही कि 108 एम्बुलेंस में कुछ जनप्रतिनिधियों के चित्र बने हैं। इसी प्रकार से दूसरी शिकायत में भी किसी स्थान पर राजनेताओं के बैनर पोस्टर लगे होने का उल्लेख रहा है। इन दोनों शिकायतों पर तत्काल उचित कार्रवाई कर शिकायतों का निराकरण कर दिया गया।

हर विधानसभा में हैं 10 एफएसटी

आचार संहिता के उल्लंघन की मॉनिटरिंग के लिए विधानसभा वार एफएसटी का गठन किया गया है। प्रत्येक विधान सभा में हर समय तीन टीमें सक्रिय रहेंगी। ये टीमें तीन शिफ्ट में काम करेंगी। इस तरह से प्रत्येक विधानसभा में 24 घंटे के दौरान नौ टीमें सक्रिय रहेगी। इनके अलावा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक टीम को रिजर्व में रखा गया है। इस प्रकार से जिले में कुल 80 एफएसटी काम बनाई गई हैं।

जेल से बाहर आते ही फिर बरसी डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे– कहा लोकतंत्र बचाने हर रास्ता अपनाएंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विरोध दर्ज कराने बैतूल से भोपाल पहुंची निशा बांगरे जेल से बाहर आ गई है। उन्हें सोमवार को बोर्ड आफिस चौराहे से पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था, मंगलवार को जमानत दी दी गई है। उन्हें 10 हजार रुपये के मुचलके पर बुधवार रात को रिहा किया है।

निशा बांगरे ने डिप्टी कलेक्टर पद से इस्तीफा दिया है, जिसे शासन ने स्वीकार नहीं किया है। इस बात से वह नाराज है और शासन पर भेदभाव करने और परेशान करने का आरोप लगा रही है। उल्लेखनीय है कि निशा बांगरे ने तीन माह पहले इस्तीफा दिया है। बताया जाता है कि वह बैतूल की आमला विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की इच्छुक है। आमला में उसने अपना घर भी बनाया है लेकिन इस्तीफा स्वीकार नहीं होना चुनाव लड़ने में आड़े आ रहा है। जिसके चलते निशा बांगरे ने बैतूल के आमला से न्याय यात्रा शुरू की थी, जिसके भोपाल पहुंचने पर कांग्रेसियों ने उस यात्रा का समर्थन किया था और उसके साथ विरोध दर्ज कराया था। इसी दौरान पुलिस ने विरोध कराने वालों को हटाने की कोशिश की थी। साथ ही निशा बांगरे समेत अन्य को गिरफ्तार भी कर लिया था। निशा बांगरे को विशेष कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश किया था जहां उन्होंने जमानत लेने से इनकार कर दिया था। जिसके चलते उन्हें जेल भेज दिया गया था। निशा ने जेल से बाहर आते ही सबसे पहले बच्चे को गले लगाया। उसे गोद में लेकर दुलार किया। निशा ने कहा कि लोकतंत्र की इस लड़ाई में जनता मेरे साथ है। लोकतंत्र को बचाने जो भी रास्ता अपनाना होगा हम अपनाएंगे।

सुविचार

``भगवान आपको आशीर्वाद देने के साथ साथ चुनौतियां देकर परखता भी है।''

-अज्ञात

संपादकीय

इतने लंबे चुनाव

लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल कहे जा रहे पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव की तारीखें घोषित होने के साथ ही अब इन राज्यों में चुनावी गतिविधियां बढने लगी हैं। छत्तीसगढ एकमात्र ऐसा राज्य होगा जहां दो चरण में मतदान कराया जा रहा है,जबकि सभी अन्य चार राज्यों में एक ही चरण में मतदान कराए जा रहे हैं। सात नवंबर को पहला मतदान होगा। उस दिन मिजोरम और छत्तीसगढ़ में मतदान होंगे। सत्रह नवंबर को छत्तीसगढ़ के दूसरे चरण के लिए और मध्यप्रदेश में इसी दिन सभी सीटों के लिये मतदान होंगे। उसके एक-एक हफ्ते के अंतर पर राजस्थान और तेलंगाना में मतदान की बारी आयेगी। नतीजे तीन दिसंबर को आएंगे। इस तरह कुल छब्बीस दिनों में चुनाव संपन्न होंगे। राजनीतिक दल इसके लिए पहले से तैयारी में जुट गए थे। तमाम बड़े नेताओं, मंत्रियों आदि की रैलियां महीना भर पहले से होने लगी थीं। जाहिर है, मतदान की तारीखें घोषित होने का ही इंतजार था। वैसे राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर अब तक तो साफ नजर आ रही है। विपक्षी दल एकजुट हैं। इस तरह इन चुनावों में सरगर्मी कुछ अधिक रहने की संभावना है। हर राजनीतिक दल के बड़े नेता चुनाव प्रचार में उतरेंगे। इसलिए भी सुरक्षा कारणों से निर्वाचन आयोग ने मतदान को इतनी लंबी अवधि में फैलाने का फैसला किया होगा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में हमेशा अतिरिक्त सुरक्षा की जरूरत रहती है। कोशिश की जाती है कि उन इलाकों में लोग अधिक से अधिक संख्या में घरों से निकलें और अपने मताधिकार का उपयोग करें। इसलिए भी वहां दो चरण में मतदान का फैसला किया गया। हालांकि जब से मशीनों से मतदान कराए जाने लगे हैं, तब से अपेक्षा की जाती है कि मतदान और नतीजों के बीच की अवधि कम से कम रहे। कम से कम चरणों में मतदान कराए जाएं। मगर मशीनों के उपयोग के बाद भी निर्वाचन आयोग इस अपेक्षा पर खरा नहीं उतर पाता। पिछले कई चुनावों से देखा जा रहा है कि जब भी कई राज्यों के चुनाव एक साथ कराए जाते हैं, तो मतदान की तारीखों में लंबा अंतर रखा जाता है। कई बार मतगणना तक महीने भर से अधिक का समय लग जाता है। इससे कई तरह की उलझनें पैदा होती हैं। कई चुनाव विशेषज्ञ इसे उचित नहीं मानते। पांच राज्यों के चुनाव अधिकतम दो दिनों में बांटे जा सकते थे, जिससे खर्च कम बैठता और राजकीय अमले को लंबे समय तक नाहक अफरातफरी के माहौल में नहीं फंसे रहना पड़ता। जहां मतदान सबसे अंत में होगा, वहां सबसे लंबे समय तक चुनाव प्रचार चलेगा और स्वाभाविक ही वहां के प्रशासनिक कामकाज में बाधा आएगी। इस तरह चुनाव की तारीखों को लंबे समय तक फैलाने के पीछे अक्सर निर्वाचन आयोग का तर्क होता है कि सुरक्षा कारणों की वजह से उसे ऐसा फैसला करना पड़ा। मगर जब लोकसभा चुनाव भी लगभग इतने समय में संपन्न करा लिए जाते हैं, तो पांच राज्यों के चुनाव में भला सुरक्षाबलों की तैनाती में ऐसी क्या अड़चन आ सकती है। चुनाव के लंबे समय तक फैले होने से विपक्षी दलों को निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का मौका मिल जाता है। फिर, जहां पहले चरण में चुनाव होगा वहां की मतपेटियों की सुरक्षा के लिए लंबे समय तक पहरा बिठा कर रखना पड़ेगा। एक राज्य के मतदाताओं के रुझान को दर्शा कर दूसरे राज्य के मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिशें तो होंगी ही। बहरहाल अब चुनाव घोषित हो चुके हैं तो आयोग व संपूर्ण प्रशासनिक मशीनरी को यह सुनिश्चित करना होगा कि चुनाव में राजनीतिक दल नियम प्रक्रियाओं का पालन करें।

कविता

हो रहे तैयार !

– कृष्णेन्द्र राय

जीतने को बाज़ी ।
हो रहे तैयार ।।
लगा देंगे ज़ोर अब ।
बनना असरदार ।।
देनी उनको मात है ।
खोज रहे तरकीब ।।
ना हो जाए स्थिति ।
आगे कुछ अजीब ।।
कर सही विश्लेषण ।
है निकालना हल ।।
आज से भी अच्छा ।
कर लेना है कल ।।
साध रहे निशाना ।
ना अब जाना चूक ।।
होता रहे कुछ भी ।
बैठ ना सकते मूक ।।

आज का इतिहास

- 1521 पोप लियो दशम ने इंग्लैंड के राजा हेनरी अष्टम को 'आस्था के रक्षक' की उपाधि दी।
- 1737 कलकत्ता (अब कोलकाता) में आए चक्रवाती तूफान में करीब तीन लाख लोगों की मौत हो गई।
- 1737 भूकंप से 300,000 लोग मरे, और भारत के कलकत्ता शहर का आधा हिस्सा नष्ट हो गया।
- 1852 ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप के पहले विश्वविद्यालय सिडनी यूनिवर्सिटी की स्थापना हुई।
- 1852 ऑस्ट्रेलिया के सबसे पुराने विश्वविद्यालय सिडनी विश्वविद्यालय का उद्घाटन सिडनी में हुआ।
- 1862 वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिशन ने अपनी पहली खोज, इलेक्ट्रिक वॉइस मशीन का पेटेंट हासिल किया।
- 1869 अमेरिकी खोजकर्ता थॉमस एडीसन ने अपनी पहली आविष्कार पर एक पेटेंट के लिए आवेदन किया। इस इलेक्ट्रिक मशीन का इस्तेमाल वोटों की गिनती के लिए किया गया था।
- 1869 कनाडा में ब्रिटिश सेना के खिलाफ लाल नदी विद्रोह शुरू किया गया।
- 1881 अमेरिकी आविष्कारक डेविड हेंडरसन हॉस्टन ने कैमरों के पहले रोल फिल्म का पेटेंट कराया।
- 1881 डेविड ह्यूस्टन ने कैमरों के लिए फिल्म रोल का निर्माण किया।
- 1987 भारत की शांति सेना ने श्रीलंका में ऑपरेशन पवन की शुरुआत की. यह अभियान लिट्टे का कब्जा खत्म कर जाफना को मुक्त कराने के लिए छेड़ा गया था
- 1899 दक्षिण अफ्रीका बोअर ने ग्रेट ब्रिटेन पर हमले की घोषणा की।
- 1915 मेटामोरा टाउनशिप हाई स्कूल इलिनोइस शहर में सार्वजनिक छात्रों के लिए खोला गया।
- 1930 जवाहरलाल नेहरू को नैनी सेंट्रल जेल से रिहा किया गया।

विनोद पाठक

क्या चुनावी रेवड़ियां बनेंगी सत्ता में वापसी की चाबी?

साढ़े नौ साल से केंद्र की सत्ता में रहने के बाद नरेंद्र मोदी के लिए यह चुनाव लिटमस टेस्ट से कम नहीं होगा। यह चुनाव इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण है कि सभी राज्यों में सरकारों ने लोक लुभावन घोषणाएं करने के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इन चुनावों में फ्रीबीज या चुनावी रेवड़ियों की भी परीक्षा होने वाली है। विपक्ष के जातीय जनगणना के दांव पर जनता का रुख भी इन चुनावों में पता चलने वाला है।

राज्यवार बात करें तो राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पिछले पांच साल से अपनी कुर्सी को बचाते आ रहे हैं। पांच साल में कई ऐसे अवसर आए, जब लगा कि गहलोत की सरकार गिर जाएगी। वर्ष 2020 में ठीक कोरोना के बीच कांग्रेस में बगावत हो गई थी। राजनीति के जादूगर अशोक गहलोत की सूझबूझ से सरकार बच तो गई, लेकिन मुख्यमंत्री निर्दलीय विधायकों पर आश्रित होकर रह गए। उसी का नतीजा था कि मुख्यमंत्री गवर्नेंस से ज्यादा विधायकों को खुश करने में जुटे रहे। चुनाव से ठीक छह महीने पहले गहलोत ने लोकलुभावन घोषणाओं की झड़ी लगा दी। बिजली बिल माफी से लेकर मुफ्त मोबाइल बांटने तक शायद ही कोई सेक्टर होगा, जिसके लिए गहलोत ने घोषणा न की हो। 33 से बढ़ाकर 53 जिले तक कर दिए गए।जाति के आधार पर बोर्ड बना दिए गए। गहलोत जहां अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं के दम पर सत्ता में वापसी का दम भर रहे हैं, तो वहीं भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था, पेपरलीक, तुष्टिकरण जैसे मुद्दों को आधार बना रही है। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई में आपसी प्रतिद्वंद्वता के चलते चुनाव नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ा जा रहा है।रोचक बात यह है कि राजस्थान से कांग्रेस का गांधी परिवार नदारद है। चुनाव गहलोत बनाम मोदी का बन गया है। पिछली बार कांग्रेस को सत्ता तक लाने वाले सचिन पायलट मौन हैं तो भाजपा की स्टार नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को पार्टी में दरकिनार कर दिया गया है। राजस्थान में पिछले तीन दशक से हर पांच साल पर सत्ता बदलती आ रही है। 3 दिसंबर को पता चलेगा कि रिवाज बदलेगा या नहीं।

मध्य प्रदेश में वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी की कांग्रेस से चंद सीटें कम रह गई थीं। कांग्रेस ने युवा ज्योतिरादित्य सिंधिया की जगह अनुभवी कमलनाथ को सत्ता की बागडोर सौंप दी थी, लेकिन सिंधिया की बगावत के चलते भारतीय जनता पार्टी पुनः सत्ता में आई। शिवराज सिंह चौहान फिर मुख्यमंत्री बने, लेकिन मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री बदलने के कयास चलते रहे। अभी भले चुनाव शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री रहते हुए लड़ा जा रहा है, लेकिन यदि भारतीय जनता पार्टी सत्ता में लौटती है तो उन्हीं को कुर्सी मिलेगी, इसका कोई स्पष्ट संकेत पार्टी की ओर से नजर नहीं आ रहा है। इस बार जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से लेकर कद्दावर कैलाश विजयवर्गीय, केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों को टिकट दिया है तो उससे भी शिवराज सिंह चौहान की बेचैनी बढ़ी है। हालांकि, चौहान भी फ्रीबीज के सहारे सत्ता वापसी की चाभी ढूंढ रहे हैं। कांग्रेस में मुख्य चेहरा कमलनाथ का ही नजर आ रहा है। वह अपने एक साल के कार्यकाल को लेकर जनता को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका

गांधी वाड्रा ने भी मध्य प्रदेश में कांग्रेस की ओर से मोर्चा संभाला हुआ है। पिछले कुछ दिनों में प्रियंका के कई दौरे हुए हैं। सत्ता विरोधी लहर के बीच भाजपा के लिए सत्ता में वापसी उतनी आसान नहीं है, लेकिन कमजोर कांग्रेस किस तरह टक्कर दे पाएगी, यह चुनाव नतीजों से पता चलेगा।

छत्तीसगढ़ में 15 साल सत्ता से बाहर रहने के बाद वर्ष 2018 में कांग्रेस को सत्ता हासिल हुई थी। भूपेश बघेल को मुख्यमंत्री बनाया गया। राजस्थान और मध्य प्रदेश के मुकाबले छत्तीसगढ़ में कांग्रेस बेहद अच्छी स्थिति में है। हालांकि, राज्य में भूपेश बघेल और टी.एस.सिंह देव में कुछ वैसी ही नोकझोंक चलती रही, जैसी राजस्थान में सचिन पायलट और अशोक गहलोत में चल रही थी।भूपेश बघेल आलाकमान को साधकर कुर्सी बचाने में सफल तो हुए। सत्ता में पुनः वापसी के लिए भूपेश बघेल ने भी चुनावी रेवड़ियों का सहारा लिया है। अब तक बघेल काफी मजबूत स्थिति में नजर आ रहे हैं, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी के पास कोई मजबूत चेहरा नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह पिछले पांच साल ज्यादा सक्रिय नहीं रहे। यही कारण है कि यहां पर भी भारतीय जनता पार्टी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सहारा है।

दक्षिण के राज्य तेलंगाना में के.चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति सत्ता में है। राव दो बार से सत्ता में बने हुए हैं। जिस तरह से वर्ष 2018 में उन्हें बहुमत मिला था तो कहा जा सकता है कि उनकी लोकप्रियता का ग्राफ काफी ऊंचा है। हालांकि, राव भी सरकार विरोधी लहर का सामना कर रहे हैं। उन्हें कांग्रेस के साथ भारतीय जनता पार्टी से भी चुनौती मिल रही है। उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरह से प्रदर्शन किया तो लग रहा है कि वो यहां तीसरी ताकत बन रही है। के. चंद्रशेखर राव ने भी कोई ऐसा अवसर नहीं छोड़ा, जहां उन्होंने मुफ्त की घोषणाएं न की हों। खासकर अल्पसंख्यकों को लेकर उनकी योजनाओं को भारतीय जनता पार्टी ने निशाने पर लिया। तेलंगाना में निश्चित रूप से त्रिकोणीय मुकाबला रहने वाला है। चंद्रशेखर राव की बीआरएस, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी एक-दूसरे से मुकाबला करते नजर आएंगे।

मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रंट की सरकार है और उसने वर्ष 2018 में 40 सीटों वाली विधानसभा में 26 सीटें जीती थीं। यहां पर मुख्य रूप से मुकाबला मिजो नेशनल फ्रंट और जोरम पीपुल्स मूवमेंट के बीच है। राष्ट्रीय पार्टियों यहां अपनी जमीन नहीं तैयार कर सकी हैं।जहां तक तीसरे मोर्चे या अन्य दलों की बात है तो वो अभी कहीं नहीं नजर आ रहे हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी ने कुछ महीने पहले जोर-शोर से प्रचार किया था, लेकिन उसके प्रचार की गति धीमी पड़ चुकी है। राजस्थान में हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी कुछ सीटों को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, वह भाजपा और कांग्रेस का मुकाबला कर पाएगी, यह मुश्किल लगता है।

भारतीय ट्राइबल पार्टी राजस्थान और मध्य प्रदेश की कुछ सीटों पर प्रभाव डाल सकती है। कुछ-कुछ यही स्थिति बहुजन समाज पार्टी की भी है। राजस्थान और मध्य प्रदेश के उत्तर प्रदेश से लगते इलाकों में बहुजन समाज पार्टी का प्रभाव है। इन चुनावों में नवगठित इंडिया गठबंधन का भी टेस्ट होना बाकी है।

यह देखना होगा कि लोकसभा से पांच महीने पहले हो रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में यह गठबंधन एकजुट रहता है या नहीं। यदि आपसी प्रतिद्वंद्वता को छोड़कर इंडिया गठबंधन के दल पांचों राज्यों में एकजुट हो जाएं तो भारतीय जनता पार्टी को वर्ष 2024 में बड़ी चुनौती दे सकते हैं।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

राजेश रामचंद्रन

राजनीतिक आडंबर बनाम सामाजिक आदर्शवाद

जितनी आबादी उतना हक' कांग्रेस का नया नारा है। सोच में यह अचानक बदलाव क्यों? यह उस दल का नया नारा कैसे बना,जिसका अपना इतिहास प्रतिनिधित्वकारी राजनीति के सिद्धांत को तोड़-मरोड़ कर, उच्च पदों पर ऊंची जातियों (खासकर ब्राह्मण) के नेताओं को सबसे अधिक आसीन करने का रहा हो। बेशक, नौ साल बाद विपक्ष गोलबंद होने लगा है, पहले 'इंडिया' नामक गठबंधन बनाया और अब यह नया दांव-पेच निकाला है। अब तक विपक्ष का सत्तारूढ़ दल पर हमले बोलने का मुख्य तरीका मोदी-विरोधी निंदा और अडाणी जैसे चहेते पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के आरोप रहे हैं और उसने अब यह नया शानदार पैंतरा ढूंढ़ लिया है, जाति-आधारित जनगणना।

हाल ही में एजेंसियों द्वारा पत्रकारों, एक न्यूज पोर्टल संस्थापक और एक विपक्षी सांसद और अन्य पर छापे और गिरफ्तारियां सुर्खियों में रहीं, विपक्षी इसको केंद्रीय सरकार की कथित हताशा भरी कार्रवाई का चिन्ह बता रहे हैं ताकि गांधी जयंती के दिन बिहार में जाति-आधारित जनगणना सर्वे का परिणाम जारी करने से पैदा हुई स्थिति का तोड़ निकालने के लिए समय पा सके। सरकार घबराई हुई है या नहीं, लेकिन यह सर्वे जरूर विपक्ष द्वारा राजनीतिक बढ़त पाने का नया प्रयास है और इसको 2024 के चुनाव का मुख्य मुद्दा बनाना चाहता है और भाजपा को मजबूर करना कि या तो इसको स्वीकार करे या प्रतिक्रिया करके घाटा सहे। लेकिन क्या यह कारगर होगा? क्या यह मुद्दा मोदी के विजय रथ को रोककर पराजित कर पाएगा?चुनावी विफलता सहन करने वाले विपक्ष के लिए 30 साल पहले जातीय पहचान की राजनीति का टोटका संकटमोचक बना था, क्योंकि उस वक्त तक भी गंगा के मैदानी क्षेत्र में सामंतवादी ढांचा कमोबेश यथावत था और कांग्रेस का तत्कालीन नेतृत्व इन सामंतों का विस्तार भर था। इस सामंतशाही ने भारत के सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य में अधिसंख्य वर्ग की सामाजिक-आर्थिक तरक्की की संभावनाओं को कुचल रखा था और वे दिल्ली में रिक्शा खींचने या पंजाब के खेतों में खटने या गुजरात की फैक्टरियों में मजदूरी करने को मजबूर थे, इस व्यवस्था को तोड़ना उस वक्त की ऐतिहासिक आवश्यकता थी। लेकिन यह दौर 30 साल पहले का था और उसके बाद से गंगा के मैदानी क्षेत्र में ब्राह्मणों का राज जाता रहा।

यह होना, दक्षिण भारत में पहले हो चुके सामाजिक बदलावों का विस्तार भर था। जहां पर सत्ता सक्षम वर्ग के हाथों से निकलकर अपेक्षाकृत वंचित किंतु बहुसंख्यक वर्ग के पास चली गई थी। दक्षिणी और उत्तरी भारत के इन प्रयोगों के बीच बड़ा अंतर था कि बिहार और उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक गिनती रखने वाली यादव

जाति मुख्य लाभार्थी बनकर उभरी। दक्षिण में, बहुसंख्या रखने वाली जातियों को सशक्त करके सामाजिक बदलाव लाने का वाहक कोई एक दल या संगठन बना, लेकिन इसने हाशिये पर आती जातियों को भी सवर्ण-विरोधी या सीधा कहें, तो ब्राह्मण विरोधी लहर पर सवार होने का मौका दिया। फिलहाल, तमिलनाडु में ब्राह्मण-विरोधी नारा द्रविड़ राजनीति के प्रथम परिवार के लिए, जो खुद गिनती के मुताबिक बहुसंख्यक जाति से नहीं है, ताकत पर अपनी पकड़ बनाए रखने में सहायक है।

जाहिर है, जाति रूपी पहिए की संरचना, सभी जातियों की तीलियों के बिना, अधूरी रहेगी। तथ्य है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह 'नया महान विचार' प्रतिनिधित्व के फार्मूले पर खुद बिहार में उलटा पड़ जाएगा क्योंकि सर्वे के अनुसार नीतीश कुमार की कुर्मी जाति सूबे की कुल आबादी में महज 2.1 फीसदी है। इस तरह, 'जितनी आबादी उतना हक' वाले सिद्धांत के मुताबिक मुख्यमंत्री का पद 14.26 प्रतिशत संख्या रखने वाले यादवों का हक है। इसलिए तेजस्वी यादव को तुरंत तरक्की देकर मुख्यमंत्री बनाया जाए और नीतीश कुमार स्वयं उप-मुख्यमंत्री भी नहीं रह सकते, क्योंकि अन्य जातियों की जनसंख्या कुर्मियों से अधिक है। बहस की खातिर, यदि मान भी लिया जाए कि मतदाता अपना वोट विशुद्ध जाति के आधार पर न देकर,बृहद श्रेणी को यानी सामान्य वर्ग, पिछड़ी जाति, अति-पिछड़ा वर्ग या अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति इत्यादि के आधार पर दे, तब भी नीतीश कुमार का मौका नहीं बनेगा क्योंकि वे सबसे बड़े समूह से यानी अति-पिछड़ा वर्ग से नहीं हैं।

राजनीतिक ढोंग से सामाजिक आदर्शवाद नहीं निकल सकता। जाति-आधारित जनगणना तब कारगर मानी जाए यदि नीतीश कुमार इस्तीफा दें और सत्ता की बागडोर सबसे अधिक गिनती वाले अति पिछड़ा वर्ग या यादव को सौंप दें। यह क्या बात हुई कि आप जाति-आधारित जनगणना तो करवा लें लेकिन खुद सत्ता में रहते हुए इस पर अमल न करें। यह विरोधाभास भारत में प्रत्येक उस पिछड़ी जाति के नेता को सताएगा, जो गला फाड़कर राष्ट्रीय स्तर पर जाति-जनगणना करवाने की मांग कर रहा है। उदाहरणार्थ, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को सामाजिक उत्थान का अलम्बदार वाली यदि अपनी साख बचानी हो तो कुर्सी किसी वनियार या थेवर या गौंदर या बहु-संख्यक जाति के नेता को सौंपनी पड़ेगी। यदि आपकी अपनी जाति के लोग भी ब्राह्मणों जितनी कम संख्या में हैं, तब जाति-आधारित जनगणना का औजार ब्राह्मण विरोधी प्रचार में प्रभावशाली कैसे हो सकता है।

यदि सत्ता में हिस्सा विशुद्ध रूप से जन्म-जाति से तय होने लगे, तब नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री बनने का हक ब्राह्मण (3.65 प्रतिशत) से या राजपूत (3.45 फीसदी) से भी कम है। कांग्रेस के मामले में तो यह और भी संगीन हो जाता है। यदि कांग्रेस 'जितनी आबादी उतना हक' वाले नारे पर अमल करे, तब तो पहले 'गांधी परिवार' को तजना पड़ेगा, जो शहरी भारत के अलावा किसी जाति का प्रतिनिधित्व नहीं करता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी गिनती के हिसाब से बहुसंख्यक यानी अन्य पिछड़ा वर्ग से न होकर अपेक्षाकृत कम जनसंख्या वाली अनुसूचित जाति से आते हैं। कांग्रेस का सबसे अधिक प्रतिनिधि चेहरा यानी जयराम रमेश चूंकि ब्राह्मण हैं, सो उनका कोई मौका नहीं बनता। यही बात कांग्रेस पार्टी के तमाम महत्वपूर्ण महासचिवों और खजांची पर लागू है।

पिछड़ी जाति की राजनीति करने के दो उद्देश्य हो सकते हैंङ्क सबसे अधिक संख्या रखने वाली किसी एक जाति के लिए सत्ता हथियाना या फिर भाजपा को पुरानी सामंतशाही और ब्राह्मणवादी व्यवस्था का प्रतीक बताकर, हमला करना। और दोनों ही पैंतरे आजमाए जा चुके हैं। एक में, बिहार-उत्तर प्रदेश-तमिलनाडु-अन्य सूबों में, सत्ता एक पारिवारिक धंधा बन चुकी है और यह चाल अब उतनी प्रभावशाली नहीं रही। इससे अधिक महत्वपूर्ण है कि संघ परिवार ने कांग्रेस या वामदलों की अपेक्षा सोशल इंजीनियरिंग को बतौर राजनीतिक खेल कहीं अच्छे तरीके से अपनाया है। वहीं मोदी के रूप में पिछड़ी जाति का चेहरा आगे करने वाला उसका उदाहरण, विपक्ष द्वारा पेश किसी अन्य पर भारी बैठता है।

जिस किसी को इस पुराने बिहारी फार्मूले की प्रभावशीलता पर यकीन है, कम-से-कम पहले पंजाब में असफल हुए प्रयोग को याद कर लें, जब राज्य में सबसे अधिक गिनती रखने वाले जातीय वर्ग से संबंधित चरणजीत सिंह चन्नी एक साथ दो चुनाव क्षेत्रों से हार गए, क्योंकि लोगों को बदलाव चाहिए था न कि जाति। जब जातीय पहचान की राजनीति वाला नारा खुद दोहरे मानकों से लबरेज हो, तो उसमें प्रतिगामी मौकापरस्ती की बू आती है।

साभार–यह लेखक के अपने विचार हैं।

चुनाव की तैयारी में जुटा प्रशासन, कलेक्टर एसपी कर रहे दौरे

पेड न्यूज व विज्ञापनों की सतत निगरानी करेंगे अफसर: कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन घोषणा के साथ ही कलेक्ट्रेट में एमसीएमसी मॉनिटरिंग सेल सक्रिय किया गया हैं। जिसमें 24 घंटे तीन पालियों में दल प्रभारी एवं सहायक सदस्य बनाए गए हैं। जिनके द्वारा पेड न्यूज़, फेक न्यूज़ एवं विज्ञापन की मॉनिटरिंग के साथ विज्ञापन प्रमाणन के लिए आवेदन लिए जाएंगे। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह की उपस्थिति में मीडिया मॉनिटरिंग सेल के दल प्रभारी एवं सहायक सदस्य को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में संयुक्त कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी एमसीएमसी फरहीन खान, नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे सहित मीडिया मॉनिटरिंग सेल के सदस्य उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने मीडिया मॉनिटरिंग सेल के सदस्यों को निर्देशित किया कि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं विशेष तौर पर सोशल मीडिया पर प्रसारित निर्वाचन संबंधी पेड न्यूज़, फेक न्यूज़ एवं विज्ञापनों की सतत निगरानी करें। विज्ञापन प्रमाणन संबंधित पूरी कार्यवाही जिला एमसीएमसी द्वारा समयसीमा में पूर्ण की जाए। भ्रामक खबरों के संबंध में तत्काल सत्यापन कर उनका खंडन जारी करें। नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे द्वारा प्रशिक्षण में बताया गया कि जिला एमसीएमसी और मॉनिटरिंग सेल द्वारा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से या उस संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली विधानसभा के निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले व्यक्तिगत अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तावित विज्ञापनों के प्रमाणन ,राजनैतिक विज्ञापनो का पर्यवेक्षण , पैड न्यूज के संदिग्ध प्रकरणों की जांच,पम्पलेट / पोस्टर/हैंडबिल की जांच, प्रिंट मीडिया में विज्ञापनों का प्रमाणन करेंगे तथा व्यय परीक्षण दल को रिपोर्ट करेंगे।

आवेदन प्राप्त होने पर उसकी जांच कर प्रस्तावित विज्ञापन प्रसारण योग्य है या नही का निर्णय जिला एमसीएमसी करेगी। ऐसा निर्णय आवेदन प्राप्त होने के 2 दिनों के भीतर लिया जाकर आवेदक को सूचित करना होगा। हालांकि राजनैतिक दलों / अभ्यर्थियों को सुविधा देने एवं विज्ञापन के प्रमाणन के कार्य को तेजी से पूर्ण करने के लिए आवेदन का निराकरण उसी दिन किये जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। विज्ञापन प्रसारण योग्य होने की दशा में प्रसारण के लिए प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। जिला एमसीएमसी कमेटी किसी प्रस्तावित विज्ञापन के आवेदन को अमान्य कर सकती है। यदि विज्ञापन का कंटेट आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करता हो।

इसी प्रकार पम्पलेट, पोस्टर एवं हैण्डबिल की जांच भी की जाएगी। जिसमें आरपी एक्ट 1951 की धारा 127 के अनुसार पंपलेट, पोस्टर, हेण्ड बिल आदि में प्रकाशक एवं मुद्रक के नाम एवं पता लिखा जाना अनिवार्य है। कोई भी व्यक्ति पम्लेट / पोस्टर का मुद्रण नहीं करेगा / नहीं करवाएगा जब तक की प्रकाशक की पहचान की घोषणा उसके द्वारा हस्ताक्षरित तथा 2 व्यक्तियों, जो उन्हें जानते हो, द्वारा सत्यापित न हो । मुद्रक द्वारा घोषणा की प्रति जिला मजिस्ट्रेट को भेजना अनिवार्य है।

हथियारों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध

संपूर्ण मध्यप्रदेश के साथ नर्मदापुरम जिले में 9 अक्टूबर 2023 से आचार संहिता प्रभावशील हो गई है, आचार संहिता निर्वाचन प्रक्रिया की समाप्ति तक प्रभावशील रहेगी। उक्त परिप्रेक्ष्य में जिला दंडाधिकारी नर्मदापुरम नीरज कुमार सिंह ने हथियारो के प्रदर्शन, हथियारो को साथ लेकर चलने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया है। जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि यह आदेश कानून एवं व्यवस्था के कार्य में लगे पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, कार्यपालिक दंडाधिकारियों, बैंक, सुरक्षा एंजेसियों में कार्यरत कर्मचारियों एवं अन्य लोक सेवकों पर प्रभावी नही होगा। इसके अलावा जिले की सीमा क्षेत्रांतर्गत किसी भी सार्वजनिक स्थल पर आग्नेयास्त्रों एवं अन्य घातक हथियारों को लेकर कोई भी व्यक्ति न तो चलेगा और न ही उनका प्रदर्शन करेगा।

धरना व जुलूसों के प्रवेश पर प्रतिबंध..

कलेक्टर ने विधानसभा आम निर्वाचन कार्य समाप्ति तक की अवधि के लिए नर्मदापुरम जिले के कलेक्ट्रेट कार्यालय, उपखंड कार्यालय सिवनीमालवा, होशंगाबाद, सोहागपुर, पिपरिया एवं समस्त तहसील कार्यालय, नगर पालिका कार्यालय भवन परिसर, जनपद पंचायत कार्यालय भवन परिसर में जनसभा एवं जुलूसों के प्रवेश पर रोक लगाई है। उक्त आदेश 9 अक्टूबर से प्रभावशील होकर निर्वाचन प्रक्रिया समाप्ति तक के लिए प्रभावशील रहेगा।

धर्मशालाओं में रुकने वालों की जानकारी जरूरी

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सराय अधिनियम के तहत प्रभावी कार्यवाही करने के आदेश जारी किये हैं। इसके अनुसार जिले की समस्त विधानसभा सीमा क्षेत्र के भीतर स्थित समस्त सराय, धर्मशालाओं, सराय में ठहरने वाले व्यक्ति की दैनिक जानकारी संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी एवं निकटतम कार्यपालिक दंडाधिकारी को लिखित रूप से देना अनिवार्य होगा।

बिना अनुमति के ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नीरज कुमार सिंह ने विधानसभा आम निर्वाचन कार्य समाप्ति तक की अवधि के लिए नर्मदापुरम जिले की समस्त सीमा क्षेत्र की परिधि में सम्मिलित क्षेत्र को कोलाहल नियंत्रण क्षेत्र सायलेंस जोन घोषित किया है। इस दौरान विहित प्राधिकारी की लिखित अनुज्ञा के बिना ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर पूर्णत- प्रतिबंध रहेगा। कलेक्टर ने जिले के सभी अनुविभागीय दंड अधिकारियों, तहसीलदार एवं अतिरिक्त/नायब तहसीलदार को उनके मुख्य क्षेत्रांतर्गत विहित अधिकारी घोषित किया है। आदेश में उल्लेखित है कि आमसभा, जुलूस एवं प्रचार कार्य के लिए लाउडस्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति प्रात- 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक दी जा सकेगी, उक्त अनुमति मतदान दिनांक के 48 घंटे पूर्व तक ही प्रदान की जा सकेगी।

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में बच्चों को लेकर आ रहे शिक्षक हुए घायल

प्लेटफार्म पर ट्रेन से उतरते समय हुआ हादसा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

67वीं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में खरगोन जिले से खिलाड़ियों को नर्मदापुरम लेकर आ रहे शिक्षक के रेल से उतरते समय प्लेटफार्म पर गिर जाने से गंभीर रूप से घायल हो गए।

जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि सोमवार मंगलवार की रात्रि लगभग 2-00 बजे खरगोन के एक खेल शिक्षक श्री शेख जो अपने खिलाड़ी बच्चों को लेकर खरगोन आकर प्लेटफार्म पर उतरने के पश्चात किसी बच्चे का किट बेग ट्रेन में छूट जाने के कारण वह पुनः ट्रेन में चढ़े इस बीच ट्रेन चलदी और चलती हुई चलती ट्रेन से उतरने के प्रयास में वे ट्रेन से गिर गए और उनके साथ ये दुर्घटना घट गई। जिसमें उनके दोनों पैर पंजे के पास से गाड़ी के नीचे आने से कट गए हैं ।उनका सिर में भी काफी चोट है उनकी छाती में भी कुछ पसलियां टूट गई है। ऐसी स्थिति में उनको तत्काल चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई गई। वर्तमान में वे नर्मदा हॉस्पिटल नर्मदापुरम में एडमिट है। जिला प्रशासन की ओर से और जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से लगातार उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। शिक्षकों की ड्यूटी उनके स्वास्थ्य के अद्दतन स्थिति जानने के लिए लगाई गई है ।उनके परिवार के सदस्यों को भी सूचित कर दिया गया था वे भी उपस्थित हो चुके हैं। वर्तमान में उनकी स्थिति चिंताजनक है.दुर्घटना वास्तव में किस प्रकार से हुई यह वास्तविक रूप से शिक्षक के होश में आने पर ही ज्ञात हो सकेगा।

शुरू में संबंधित को जिला अस्पताल ले जाया गया वहां से नर्मदा हॉस्पिटल रेफर होने पर एडमिट कराया गया बी पॉजिटिव ब्लड ग्रुप की जरूरत थी जो दिया गया स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है कलेक्टर महोदय के निर्देश पर अपर कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने भी अस्पताल में उन्हें देखा,और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

जिले में 1 जून से 10 अक्टूबर तक 1034.3 मि. मी. औसत वर्षा दर्ज

सीहोर

जिले में बीते 24 घंटे में प्रातः 08 बजे तक 0.0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र सीहोर में 0.0, मिलीमीटर, श्यामपुर में 0.0, आष्टा में 0.0, जावर में 0.0, इछावर में 0.0, भैरूंदा में 0.0, बुधनी में 0.0, रेहटी में 0.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 01 जून से 10 अक्टूबर तक 1034.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज जिले में 01 जून से 10 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे तक 1034.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। गत वर्ष इसी अवधि में औसत वर्षा 1611.8 मिलीमीटर थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1148.4 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से 10 अक्टूबर 2023 तक जिले के वर्षामापी केन्द्र सीहोर में 1015.6, मिलीमीटर, श्यामपुर में 738.1, आष्टा में 985.0,मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर 102 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई

सीहोर, दोपहर मेट्रो

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र श्यामपुर में जन जागरूकता कैम्प आयोजित किया गया। शिविर में 102 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई तथा 08 मरीज मानसिक रोग से संबंधित चिन्हित किए गए। मानसिक रोग के फॉलोअप के लिए जिला चिकित्सालय स्थित मानसिक स्वास्थ्य यूनिट मन कक्ष के लिए रेफर किया गया है। इस अवसर पर मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन मेहर, सायकोलॉजिस्ट पल्लवी सोलंकी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वित्तीय जागरूकता विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

सीहोर। शासकीय चंद्रशेखर आज़ाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय एनआईएसएम (सेबी की एक पहल) एवं आदित्य बिरला कैपिटल फाउंडेशन के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए प्रतिभूति बाजार एवं वित्तीय जागरूकता विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कुल 10 घंटे तथा 8 सत्रों में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को विनियोग के महत्व, वित्तीय विनियोग के अवसर, प्रतिभूति बाजार में विनियोग की प्रक्रिया व औपचारिकताएँ, प्राथमिक बाजार में विनियोग, द्वितीयक बाजार में विनियोग, विनियोग में बरती जाने वाली संभावनाएँ म्यूचूअल फंड में विनियोग तथा प्रतिभूति बाजार में करिअर के अवसर विषय पर की जानकारी दी गई।

स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता का पालन करें अधिकारी-कर्मचारी

कलेक्टर सिंह ने कलेक्टर परिसर के कार्यालयों का लिया जायजा, देखी निर्वाचन की कार्यवाही

सीहोर, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन की उदघोषणा के पश्चात कलेक्टर प्रवीण सिंह ने कलेक्टर कार्यालय में संचालित विभिन्न कार्यालयों तथा निर्वाचन की कार्यवाही संचालित करने के लिए गठित अनेक सेल-सेंटर का निरीक्षण किया। कलेक्टर सिंह ने निरीक्षण के दौरान निर्वाचन का कार्य संपादित कर रहे अधिकारियों-कर्मचारियों से कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए जरूरी है कि उन्हें जो कार्य सौंपा गया है वे पूरी गंभीरता से समय सीमा में पूरा करें। सभी कार्य त्रटि रहित हो, इसके लिए निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की भलिभांति जानकारी होना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को आदर्श आचार संहिता कास्वयं पालन करने के लिए कहा। उन्होंने कहा किसी कार्य में थोड़ी भी दुविधा हो तो तत्काल अपने वरिष्ठ अधिकारी के ध्यान में लाएं।कलेक्टर सिंह ने कलेक्टर कार्यालय में कन्ट्रोल रूम, निर्वाचन कॉल सेंटर, वीवीटी, सी-विजिल, पेड न्यूज मॉनिटरिंग सेल, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल, एमसीसी सहित कलेक्टर कार्यालय परिसर में संचालित सभी कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह, डिप्टी कलेक्टर तन्मय वर्मा सहित अनेक

मेट्रो एंकर वाहनों के रिकॉर्ड रजिस्टर का अवलोकन किया

कलेक्टर:एसपी ने बैतूल और हरदा सीमा पर स्थित चेक पोस्ट का किया निरीक्षण

नर्मदापुरम/ सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन अंतर्गत वाहनों की सघन जांच के लिए जिले में 13 स्थैतिक निगरानी दल (एसएसटी) स्थापित किए गए हैं। मंगलवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरुकरन सिंह ने सिवनीमालवा की सीमा पर ग्राम गंजाल हरदा और ग्राम ढेकना बैतूल चेक पोस्ट का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां एसएसटी टीम द्वारा की जारी वाहनों की जांच प्रक्रिया देखी। साथ ही वाहनों के रिकॉर्ड रजिस्टर का भी अवलोकन किया।कलेक्टर एवं एसपी ने निर्देशित किया कि जांच नाकों पर रात्रि में रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था रहें। चेक पोस्ट पर सीसीटीवी भी लगाएं। साथ ही वीडियोग्राफी भी कराई जाए। उन्होंने संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत भी कार्यवाही समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आदर्श आचरण संहिता का कड़ाई से पालन कराया जाए। जनप्रतिनिधियों को आवंटित शासकीय वाहन भी वापस जिला कार्यालय में जमा कराएं जाएं। ताकि उनका उपयोग निर्वाचन में किया जा सके। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सिवनीमालवा प्रमोद गुर्जर, तहसीलदार सिवनीमालवा एवं जनपद सीईओ सिवनीमालवा सहित

निष्पक्ष व पारदर्शी निर्वाचन के लिए नियामों का पालन के दिए निर्देश

सीहोर। विधान सभा निर्वाचन 2023 के कार्यक्रम की घोषणा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 09 अक्टूबर,2023 को की जा चुकी है। जिले में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो चुकी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी,म.प्र., द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन के लिए रूल ऑफ पालन किये जाने के निर्देश जारी किये गये हैं, जिसका कड़ाई से पालन किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निवर्राचन अधिकारी प्रवीण सिंह द्वारा आदेश जारी कर कहा है कि विधान सभा निर्वाचन 2023 के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से कार्य करना है और सभी मैदानी अधिकारियों, कर्मचारियों की गतिविधियों पर कड़ी निगाह रखी जाएगी। प्रावधानों के पालन के लिए प्रतिबंधात्मक अथवा दण्डात्मक कार्यवाही के लिए अनुविभागीय दण्डाधिकारी, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, अनुविभागीय अधिकारी थाना प्रभारी, आदि जिम्मेदार दी गई है। जिले के मैदानी अधिकारी, कर्मचारी के द्वारा अभी से लेकर पारदर्शिता तथा निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए। का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए ।

अनुज्ञा के बिना ध्वनि विस्तारक यंत्रो का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित, सिरोंज में ही नामांकन फार्म होंगे जमा

निष्पक्ष चुनाव करना ही हमारी प्राथमिकता, आचार संहिता का कड़ाई से कराया जाएगा पालनः चौधरी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

आचार संहिता लागू हो गई 17 नवंबर को चुनाव संपन्न हो गए इस बार विधानसभा में नामांकन फार्म भी यहीं पर जमा होगा । आचार संहिता की बारीकियां से अवगत करने के लिए निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम हर्षल चौधरी ने स्टैंडिंग कमेटी की बैठक लेते हुए राजनीति दलों को आचार संहिता के नियमों के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि सभी लोग निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन का पालन करें कोई भी गाइडलाइन का उल्लंघन करेगा तो कार्रवाई होगी इसीलिए ऐसा कोई काम ना करें बैग अनुमति की रैली सभा व आयोजन नहीं होगा।

सुविधा के लिए एकल खिड़की की व्यवस्था की गई है 48 घंटे पहले आवेदन देकर अनुमति सभा आदि की लिए अनुमति ले सकते हैं बगैर अनुमति के लाउडस्पीकर का उपयोग भी नहीं किया जाएगा रात्रि 10:00 बजे से लेकर सुबह 6:00 बजे तक लाउडस्पीकर का प्रयोग वर्जित रहेगा सभा के लिए हमने विधानसभा क्षेत्र में 17 स्थान चिन्हित किए गए हैं। साथ ही तीन स्थानों पर हेलीपैड भी बनाए गए हैं जहां पर निर्धारण शुल्क जमा करके हेलीपैड उतार सकते हैं एक दिन में तीन हेलीकॉप्टर उतारे जा सकते हैं ऐसी व्यवस्था की गई है जो पहले सभा के लिए अनुमति लेग उसको स्थान वही दिया जाएगा इसमें पहले आप पहले पाओ का सिस्टम रहेगा सभी तरह की अनुमतियों के लिए एकल खिड़की बनाई गई है ।जहां पर चुनाव संबंधित जानकारी मिलेगी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के द्वारा जो सवाल किए गए उनका भी जवाब देते हुए समाधान करते हुए बताया कि जो गाइडलाइन निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी की उसका । चुनावी खर्च पर बारीकी से निगाह रखने का काम भी किया जाएगा गई। आर्म्स एक्ट के तहत जिनके पास लाइसेंसी हथियार है उनको जमा करने के लिए भी तिथि निर्धारित की गई है । उस दिन तक जम कर दें उसके अतिरिक्त कोई लाइसेंसी हथियार रखना चाहता तो उसकी अनुमति अलग से लेनी होगी बगैर अनुमति की कोई हथियार घर पर नहीं रख सकता है।

ध्वनि विस्तारक यंत्रो का उपयोग अनुमति उपरांत प्रातः छह से रात्रि दस बजे तक

रिटर्निंग अधिकारी हर्षल चौधरी ने विधानसभा आम निर्वाचन सिरोंज, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 147 की सीमा को कोलाहल नियंत्रण क्षेत्र (सायलेन्स जोन) घोषित कर दिया है। उक्त आदेश पांच दिसम्बर तक प्रभावशील रहेगा। रिटर्निंग अधिकारी के द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि विहित प्राधिकारी की लिखित अनुज्ञा के बिना ध्वनि विस्तारक यंत्रो का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। आमसभा, जुलूस एवं प्रचार कार्य हेतु लाउड स्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्रो के उपयोग की अनुमति विधानसभा क्षेत्रों में सुबह छह बजे से रात्रि दस बजे तक विहित प्राधिकारी द्वारा प्रदाय की जाएगी। उक्त अवधि ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में मान्य होगी। ट्रक, जीप, टेम्पों, ऑटो रिक्शा, तांगा आदि वाहनों से चुनाव प्रचार प्रसार की अनुमति आवेदन करने पर ही दी जा सकेगी। आवेदन पत्र में वाहन पंजीयन क्रमांक का उपयोग अनिवार्य होगा। बिना अनुमति के लाउड स्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्रो तथा प्रसारण एवं प्रचार-प्रसार करने पर या अनुमति के निर्दिष्ट अवधि के पश्चात् लाउड स्पीकर या संबंधित उपकरण के उपयोग की दशा में जप्त कर नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

ठहरने वालों की जानकारियाँ थानों में देनी होगी

सराय अधिनियम के तहत सिरोंज एवं आसपास में संचालित सभी होटल, लॉज, सरॉय, धर्मशाला के मालिको एवं प्रबंधकों को आदेशित किया है कि उनके संस्थानों में ठहरने वालो की दैनिक जानकारी संबंधित थाना को लिखित में प्रस्तुत करें। मतदान शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने तथा आम मतदाता अपने मतों का प्रयोग निर्भीकता एवं स्वतंत्रता से कर सकें इस हेतु शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जिला मजिस्टेऊट श्री भार्गव ने जिले के समस्त शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों को प्रदत्त शस्त्र अनुज्ञप्तियाँ तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी कर दिए है। उक्त आदेश पांच दिसम्बर तक प्रभावशील रहेंगे। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश में अनुज्ञप्तिधारियों को निर्देश दिए गए हैं कि मय आग्नेय शस्त्र संबंधित पुलिस थाना में जमा कराया जाना सुनिश्चित करें। उक्त आदेश कानून एवं व्यवस्था के कार्य में लगे पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, कार्यपालिका दण्डाधिकारियों एवं अन्य लोक सेवाओं को छूट दी गई

मीडिया कर्मियों से भी किया संवाद

वहीं उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि पेड़ न्यूज़ का ध्यान रखें इसकी जांच के लिए जिले स्तर पर एमसी की टीम बनाई गई जो मॉनिटरिंग करेगी फेयर इलेक्शन हो इसके लिए सभी मीडिया कर्मी सहयोग करें दूसरी ओर निर्वाचन आयोग के द्वारा पेड़ न्यूज़ और विज्ञापन के संबंध में जो गाइडलाइन जारी की उसके बारे में भी बताया । पत्रकारों ने पूछा कि मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए क्या प्रयास किए जाएंगे जिन मतदान केंद्र पर पहले काम वोटिंग हुई है उन पर क्या व्यवस्था होगी उसे पर उन्होंने कहा कि महिलाओं वोटो की संख्या बढ़ाने के लिए हमारे द्वारा प्रयास है कि 10 मतदान केंद्र ऐसे बनाए जाएंगे जहां पर सभी निर्वाचन दल में महिला कर्मी होंगे जिसमें पुलिस भी महिला ही तैनात होगी 54 मतदान केंद्र ऐसे थे जहां पर 50 प्रतिषत से कम मतदान है वैसे विधानसभा क्षेत्र में 75 प्रतिषत के करीब मतदान पहले हुआ था उससे बढ़ने के लिए हम अपनी तरफसे पूरा प्रयास कर रहे हैं । सभी ऐसे मतदान केंद्र उचित व्यवस्था होगी जहां पर पहले काम वोटिंग हुई थी उन केदो पर मत मतदान बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान भी निरंतर चलेगा नारे ,लेखन, दीवार लेखन रैली व अन्य प्रयास भी किए जाएंगे इस काम में मीडिया कर्मी भी सहयोग करें संपत्ति प्रारूपण की कार्रवाई हो रही है कहीं भी इस तरह की शिकायत आती है तो और सूचना मिलती है तो हम तत्काल कार्रवाई करेंगे लगातार टीम इसकी मीटिंग भी करेगी जो भी विज्ञापन प्रकाशित होंगे उसकी अनुमति उम्मीदवार को लेनी होगी उसका खर्च भी उसके खाते में जुड़ेगा विधानसभा उम्मीदवार लगभग 40 लख रुपए की राशि अधिकतम खर्च कर सकता है। हर गतिविधि पर बारीकी से निगाहें रखी जा रही है अवैध रूप से शराब का उपयोग भी नहीं होने दिया जाएगा उसके लिए भी टीम में लगी हुई है। हमारा प्रयास है कि सभी मतदाता भय मुक्त होकर अपने मताधिकार का उपयोग करके लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करें इस बार सबसे अधिक मतदाता अपनी विधानसभा में बड़े हैं 8500 के करीब नए वोटर भी जोड़े गए हैं। जो पहली बार अपने मताधिकार का उपयोग भी चुनाव में करेंगे। निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

यहीं पर जमा होगा नामांकन

वैसे विधानसभा चुनाव के लिए जिले में ही उम्मीदवारों के नामांकन फार्म जमा होते थे इस बार निर्वाचन आयोग ने इस व्यवस्था में परिवर्तन करते हुए सिरोंज में ही उम्मीदवार अपना नामांकन फार्म जमा कर सकेंगे इनके नामांकन फार्म की जांच पड़ताल भी यहीं पर होगी चुनाव के लिए मतदान कर्मियों की पॉलिटेक्निक कॉलेज से मतदान सामग्री प्रदान की जाएगी और जिले के स्ट्रांग रूम में इनको जमा किया जाएगा 3 दिसंबर को जिल में ही मतगणना होगी।

निर्वाचन संबंधी शिकायते टेलीफोन पर दर्ज होगी

निर्वाचन आयोग ने निर्वाचन संबंधी शिकायतों की त्वरित प्राप्ति के लिए हर स्तर पर प्रबंध सुनिश्चित किए गए है। आमजन निर्वाचन संबंधी अपनी शिकायते राज्य स्तरीय टोल फ्री नम्बर 1950 के अलावा सिरोंज । क्षेत्र के कंट्रोल रूम का दूरभाष नम्बर 07592-259110, पर सूचित कर जानकारियां प्राप्त की जा सकती है।

जिले में होगी गणना

थाने के सामने से मोटरसाइकिल ले उड़े चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई वारदात

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मोटरसाइकिल चोरों के हौसले कितने बुलंद हो गए हैं कि थाने के सामने ही चंद कदम की दूरी पर दिनदहाड़े एक मोटरसाइकिल को चोरी करके ले गए चोरों की पूरी गतिविधि सामने लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया उसके आधार पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल करके चोरों को पकड़ने की बात कर रही है । अभी तक इस मामले में पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी का प्रकरण भी दर्ज नहीं किया है। दूसरी ओर पहले भी कई बार मोटरसाइकिल चोरी हो चुकी है ।इसके बाद ही पुलिस प्रशासन के द्वारा इन चोरों पर सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही है। वहीं इस समय भी मोटरसाइकिल चोरी की घटना थामती हुई दिखाई नहीं दे रही है ।दिनदहाड़े दो चोर एक मोटरसाइकिल को चोरी करके ले जाते हुए साफ़नज़र आ रहें हैं। एक मोटरसाइकिल से दो व्यक्ति पहले आते हैं कुछ देर इधर-उधर देखते हैं फिर एक चोर तोलिया से अपन चेहरे लपेटकर गाड़ी में चाबी लगाकर चला बनता है पीछे से जिस मोटरसाइकिल से आते हैं उसको दूसरा लैकर रफूचक्कर हो जाता हैं।

सिरोंज तहसील के बाद अब जिले भर की वक्फ संपत्तियों को दर्ज कराना होगा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश वक्फबोर्ड के अध्यक्ष डॉ संवर पटेल की अनुशंसा पर वक्फबोर्ड के सीईओ द्वारा 26 जून को जिला वक्फकमेटी का गठन किया गया था जिसमे संशोधन करते हुए वक्फसीईओ द्वारा वक्फबोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष डॉ संवर पटेल एवं जिला वक्फकमेटी अध्यक्ष अय्यूब कुरेशी की सहमति से विदिशा जिले की अलग अलग तहसीलों से 5 नए नाम जोड़े जानकारी देते हुए जिला वक्फकमेटी अध्यक्ष अय्यूब कुरेशी ने बताया की सिरोंज तहसील इकाई अध्यक्ष रजी खान का कार्यकाल खत्म होने के बाद उनके अच्छे कार्य को देखते हुए जिला वक्फ कमेटी में वक्फबोर्ड के सीईओ एवं

वक्फबोर्ड ने डॉ रज़ी खान को दी विदिशा जिला सह सचिव की जिम्मेदारी'

अध्यक्ष द्वारा डॉ रज़ी खान को सह सचिव के पद पर नियुक्त किया है इसके साथ ही जिला वक्फकमेटी में कुरवाई से मोहम्मद वसीम अहमद को सदस्य, विदिशा से लईक उल्लाह खान सदस्य, हैदरगढ़ से उमर अली खान सदस्य, ग्यारसपुर से उवेश खान को सदस्य नियुक्त किया है गौरतलब है की डॉ रजी खान तहसील वक्फकमेटी के अध्यक्ष थे और तहसील की वक्फसंपत्तियों को राजस्व रिकार्ड में दर्ज कराने के लिए कार्य कर रहे थे पर अब जिला कमेटी में से सचिव बनने से रजी अब जिले में भी वक्फसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए काम कर सकेंगे। जिला अध्यक्ष अय्यूब कुरेशी ने बताया की इस तरह अब जिला वक्फकमेटी में सभी पदाधिकारियों सहित 15 सदस्य हो गए जो जिले भर में वक्फसंपत्ति की सुरक्षा को लेकर काम करेंगे जिला सह सचिव सहित नए सदस्यों की नियुक्ति जहा मित्र गढ़ ने सभी को बधाई दी है ।

मेट्रो एंकर आखिरकार लगाम लगाने के लिए ठोस कारवाई कब होगी

मंडी में डंडी मारो का बोलबाला, किसान परेशान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी में अनाज चोरी की वारदातें रूकने का नाम नहीं ले रही है। कई हम्मलो के द्वारा किसानो की उपज पर डाका डालने का काम किया जा रहा है । मामला सामने आने के बाद भी ठोस कार्रवाई नहीं होती इसकी वजह से चोरियां रुकने का नाम नहीं ले रही दिनदहाड़े ही किसानों के सामने ही बोरे गायब किए जा रहे हैं कहीं तोल कांटों में गड़बड़ी कर देते हैं।

अब तो हालात ऐसे बनने लगे हैं कि किसानों के साथ मारपीट भी की जा रही है। एक सप्ताह से ज्यादा समय बीत जाने जाने के बाद भी किसने की फसल पर ढाका डालने और बिरोध करने पर किसान के साथ मारपीट करने पर भी प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है। उसी का परिणाम है कि मंगलवार को कृषि उपज मंडी में अनाज चोरी की घटना फिर घटित होते पकड़ी गई हुई।

किसान की जागरूकता से उजागर हुआ मामला

बहुत कम किसान इस तरह से निगाह रख पाते इस तरह की किसान उधम सिंह रखते हुए तोल कांटे पर अनाज चुराने के प्रयास हो रहा था किसान ने अपनी सतर्कता से हम्मालों की चोरी को पकड़ लिया । जिसके बाद हम्माल मौके से गायब हो गए। सूचना मिलने पर किसान नेता सुरेन्द्र रघुवंशी पहुंचे उन्होंने मंडी के अधिकारीयों को बुलाया गया। प्राथमिक जांच में पाया गया कि इलेक्ट्रॉनिक तोल कांटे से कम तौलकर अनाज चोरी करने के प्रयास किये जा रहे था। कांटे को गड्ढे में रखा चोरी करने का खेल चल रहा था जिसे घिसकाकर गड्ढे दीवार के पास रखे हुए थे। जिससे तोल कांटे का पलड़ा अड़ जाता है कम तौल बताता किसानों को चपत लगाने का काम किया जा रहा था है।

किसान ने खुद पकड़ी चोरी

उधम सिंह 60 किलो सोयाबीन भरकर लाऐ थे। मंडी में इसकी तोल 49 किलो आ रही थी। जब उधम सिंह ने हम्माल से कहा कि तुम हटो मुझे तोलने दो। उसने कांटा दीवार के पास से हटा कर गड्ढे के ठीक बीच मे रखा ओर दुबारा तोला तो बोरा 60 किलो का निकला। चोरी पकड़ते ही हम्माल वहाँ से भाग गए। तुलावट ने भागे हुए हम्माल का नाम राजेश बताया है।

मंडी इंस्पेक्टर ने कहा कल से व्यवस्था सुधार देंगे

जांच कर रहे मंडी इंस्पेक्टर पूरनलाल ने कहा कि हमको समझ आ गया कि चोरी) हो रही है। सभी व्यापारियों को नोटिस देंगे कि इलेक्ट्रिक तोल कांटे समतल जगह में रखें। उन्होंने आज से ही व्यवस्था ठीक करने का दावा किया। साथ ही कहा कि किसान बड़े कांटे पर तोल करवाये, छोटे कांटो का उपयोग ही न करें।

कार्रवाई कर रहे हैं

पहले जो चोरी हुई थी उसमें और अभी जो चोरी हो रही थी उसे मामले में हम हम्मालो के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं साथ ही प्रकरण भी दर्ज करवाएंगे मंडी में चोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हर्षल चौधरी,एसडीएम

आबकारी विभाग ने छापामार कार्यवाही कर अवैध मदिरा और महुआ लाहन जब्त किया

सीहोर, दोपहर मेट्रो

जिला आबकारी अधिकारी सीएल मधुकर ने जानकारी दी कि गत दिवस वृत्त सीहोर एवं आष्टा में अवैध मदिरा विक्रय करने वाले ढाबा संचालाकों के विरूद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कार्यवाही करते हुए अवैध मदिरा जप्त की गई। सीहोर वृत्त के आबकारी उपनिरीक्षक चन्दर सिंह द्वारा ग्राम लासुड़िया गोयल में जयपाल ठाकुर से 15 बोतल बीयर, महोड़िया रोड सीहोर में पप्पु राय ढाबा में राजाराम राय से 06 पाव देशी मदिरा, मनोहर ढाबा भाऊखेडी से 550 मिली. देशी मदिरा तथा आष्टा वृत्त की आबकारी उपनिरीक्षक सु शारदा कारोलिया द्वारा ग्राम कुल्हाड़ी में विश्वास ढाबा के संचालक पप्पु मालवीय से 05 पाव देशी मदिरा, दीपक ढाबा कोठरी के अशोक वर्मा से 07 पाव देशी मदिरा तथा राधेश्याम ढाबा डोडी के संचालक राधेश्याम से 03 पाव देशी मदिरा जप्त की गई है। इसके साथ ही अन्य स्थानों से 590 किलोग्राम महुआ लाहन भी जप्त किया गया है।

भारतीय सरजमीं पर टॉस के मायने

भारतीय सरजमीं पर खेले जा रहे 2023 वर्ल्ड कप का पहला सप्ताह लगभग खत्म होने जा रहा है। नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आज टीम इंडिया की भिड़ंत अफगानिस्तान टीम से होना है।इस मैच के बाद गुरुवार को होने वाली अफ्रीका - ऑस्ट्रेलिया भिड़ंत के साथ ही सभी टीमों के मौजूदा वर्ल्ड कप में 2-2 मैच पूरे हो जायेंगे।अगर हम अब तक हुए मैचों पर नजर डालें,तो फिर भले ही जीत किसी भी टीम को मिली हो लेकिन सच तो यह है कि मैच के रिजल्ट में टॉस की भूमिका मैच दर मैच बढ़ती जा रही है।यह बात अलग है कि टॉस की जीत को मैच की जीत में बदलने में कुछ कप्तानों से चूक हुई है। टीम इंडिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने टॉस के फैसल की जो चूक चेन्नई में की थी।लगभग वही गलती वर्ल्ड कप के कल हुए दोनो मैचों में टॉस जीतने वाले कप्तानों ने दोहरायी।दोनो ही मैचों में टॉस जीतने वाले कप्तान को मैचों में मुंहकी खानी पड़ी।भले ही अभी तक हुए मैचों में ज्यादातर

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

(8 में से 6)मौकों पर टॉस जीतने वाले कप्तान ने पहले गेंदबाजी का विकल्प चुना है, लेकिन जब सामने वाली टीम की बल्लेबाजी बेहद ताकतवर रही तो उसका यह फैसला घातक साबित हुआ।अफ्रीका टीम के खिलाफ श्रीलंका टीम का गेंदबाजी चुनना इसी बात का नमूना था।शायद श्रीलंका टीम ने करारी हार की वजह कल हैदराबाद में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने की नई गलती कर डाली। श्रीलंका के कप्तान ने अफ्रीका की तरह बल्लेबाजी करनेकी कोशिस भी की,लेकिन सच तो यह है कि वह मैच जिताऊ स्कोर खड़ा नहीं कर सकी। श्रीलंका टीम के गेंदबाज 344 रनों के बचाव करने में नाकामयाब रहे।दरअसल दूसरी पारी में ओस के किरदार को नजरअंदाज करना श्रीलंका टीम के कप्तान को भारी पड़ा। मतलब साफ है कि भारतीय सरजमीं पर डेढ़ माह चलने वाले वर्ल्ड कप में टॉस के मायने बेहद अहम रहने वाले हैं।यह देखना वाकई दिलचस्प रहेगा कि वर्ल्ड कप के शुरुआती दौर में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने के फैसले से इतर कप्तान ओस,विपक्षी टीम की ताकत व अपनी टीम की काबलियत को ध्यान में रखते हुए टॉस का फायदा कब से उठाते हैं। जैसे जैसे वर्ल्ड कप का सफर आगे बढ़ेगा टॉस के मायने भी बढ़ने वाले हैं। सभी टीमों के कप्तानों को अलग अलग मैदान पर होने वाली भिड़ंत में टॉस की जीत को मैच में बढ़त बनाने का गुर हासिल करना पड़ेगा,क्योंकि भारतीय सरजमीं पर होने वाले दिन रात के मैचों में टॉस के मायने कई मौकों पर निर्णायक साबित होते हैं।

भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से आज

भारतीय टीम में शुभमन गिल की जगह ईशान किशन करेंगे ओपनिंग

नईदिल्ली, एजेंसी

वर्ल्ड कप में बुधवार 11 अक्टूबर को भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। यह मैच नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दोपहर 2 बजे से खेला जाएगा। टीम इंडिया के रेगुलर ओपनर शुभमन गिल डेंगू की वजह से इस मैच में भी नहीं खेल सकेंगे। उनकी जगह रोहित शर्मा के साथ ईशान किशन के ही ओपन करने की संभावना है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वो बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए थे। शुभमन गिल टीम के साथ दिल्ली नहीं आए हैं। हालांकि, उन्हें चेन्नई में हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। वो तेजी से रिकवर कर रहे हैं, लेकिन मैदान पर वापसी की तस्वीर अभी साफ नहीं है। उनकी जगह इस मैच में भी ईशान किशन के ओपन करने की संभावना है। हालांकि टीम मैनेजमेंट इस मैच के लिए सूर्यकुमार यादव को भी मौका दे सकता है।

मोस्ट मेमोरेबल एनकाउंटर

भारत और अफगानिस्तान वनडे वर्ल्ड कप में इससे पहले सिर्फ एक बार आमने-सामने हुए हैं। तारीख थी 22 जून 2019 और जगह थी इंग्लैंड का साउथैम्प्टन ग्राउंड। उस वक्त विराट कोहली कप्तान थे। उन्होंने टॉस जीता और पहले बैटिंग का फैसला किया। 50 ओवर में भारत ने 8 विकेट खोकर 224 रन बनाए। कोहली ने सबसे ज्यादा 67 रन बनाए। जवाब में अफगान टीम 49.5 ओवर में 213 रन पर ऑलआउट हुई और सिर्फ 11 रन से मैच हार गई। आखिरी ओवर में अफगान टीम को जीत के लिए 16 रन बनाने थे। लेकिन, मोहम्मद शमी ने मोहम्मद नबी, आफताब आलम और मुजीब-उर-रहमान को आउट कर न सिर्फ हैट्रिक हासिल की बल्कि टीम इंडिया को जीत भी दिलाई। देश की राजधानी का मौसम बुधवार को बिल्कुल साफ रहेगा। हवा की रफ्तार 13 से 15 किलोमीटर प्रतिघंटा रहेगी। उमस यानी ह्यूमिडिटी करीब 40 फीसदी रहने की संभावना है। बारिश होने की कोई आशंका नहीं है। लिहाजा, पूरा और बेहतरीन मैच होने की उम्मीद बनाए रखिए।

एक मैच रहा है टाई

भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक सिर्फ तीन वनडे मैच खेले गए हैं। इनमें दो मैच भारत ने जीते और एक टाई रहा। इस मैच में भी टीम इंडिया फेवरेट है। उसका हालिया फॉर्म शानदार रहा। इस वर्ल्ड कप की सबसे तगड़ी टीमों में से एक ऑस्ट्रेलिया को टीम इंडिया ने 6 विकेट से हराकर सफर का आगाज किया। अफगानिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। बैटिंग के लिहाज से देखें तो 2023 में टीम इंडिया के लिए अब तक शुभमन गिल टॉप स्कोरर रहे हैं, लेकिन वो इस मैच में नहीं खेलेंगे। लिहाजा सेकेंड बेस्ट स्कोरर विराट कोहली के इस साल की परफॉर्मेंस पर नजर डालते हैं। गेंदबाजी के लिहाज से कुलदीप यादव टीम इंडिया में टॉपर हैं। अफगानिस्तान की तरफ से इब्राहिम जादरान ने इस साल अब तक सबसे ज्यादा रन (500) बनाए हैं। उन्होंने एक शतक भी लगाया। बॉलिंग फ्रंट की बात करें तो फजलहक फारूखी ने अच्छी गेंदबाजी की है। उन्होंने 12 मैच में 16 विकेट हासिल किए हैं। इस मैदान पर अब तक 27 वनडे मैच खेले गए हैं। पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 13 और टारगेट चेज करने वाली टीम ने भी इतने ही मैच जीते। एक मैच का नतीजा नहीं निकल सका था। आखिरी 6 मैच में से 5 पहले बैटिंग करने वाली टीम ने जीते। पहली इनिंग का एवरेज स्कोर 260 रन है। यहां जो हाईएस्ट रन चेज का रिकॉर्ड है, वो टीम इंडिया के नाम दर्ज है। 1982 में हमारी टीम ने श्रीलंका के खिलाफ 278 रन बनाकर जीत हासिल की थी।

पाकिस्तान-श्रीलंका मैच रिकॉर्ड रन चेज फैक्टर्स

श्रीलंकाई बॉलर्स बीच के ओवर्स में विकेट लेने में नाकाम रहे

हैदराबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने वनडे वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज किया है। टीम ने 345 रन का टारगेट 48.2 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया। हैदराबाद में इस रन चेज में अब्दुल्लाह शफीक और मोहम्मद रिजवान की पार्टनरशिप ने अहम रोल निभाया। फ्लैट पिच पर श्रीलंकाई गेंदबाज भी फेल रहे। आगे जानिए इस फ्लैट पिच पर टॉस जीतकर भी विजय स्कोर नहीं बना सके श्रीलंकाई। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन टीम हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम की फ्लैट पिच पर जीत के लायक स्कोर नहीं बना सकी। कारण, टीम के लोअर ऑर्डर बल्लेबाज स्लॉग ओवर में तेजी से रन नहीं बना सके। टीम 50 ओवर में 344 रन का स्कोर ही बना सकी। मैच के बाद श्रीलंकाई टीम के कप्तान दसुन शनाका ने भी माना कि इस पिच के हिसाब से स्कोर 20 से 30 रन कम था। जो हार का कारण बना। आखिरी 22 ओवर में 7 विकेट गिरे और 140 रन बने श्रीलंकाई टीम ने अच्छी शुरुआत की। टीम ने 28 ओवर में दो विकेट पर 204 रन बना लिए थे और कुसल मेंडिस शतक बनाकर खेल रहे थे, सदीरा समरविक्रमा उनका साथ दे रहे थे। यहां से ऐसा लग रहा था कि श्रीलंका करीब 400 का स्कोर खड़ा करेगा, लेकिन टीम ने आखिर के 22 ओवर में 140 रन बनाने में 7 विकेट गंवा दिए। टीम के लोअर ऑर्डर बल्लेबाज आखिरी 10 ओवर में महज 61 रन ही बना सके। पाकिस्तानी पेसर्स की गेंदबाजी पिच से कम मदद मिलने के बाद भी पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों ने 9 विकेट निकाले, इनमें हसन अली और हारिस रऊफ की गेंदबाजी अहम रही। पाकिस्तानी टीम श्रीलंका को 350 से कम के स्कोर में रोकने में कामयाब रही। पावरप्ले के बाद बेअसर रहे श्रीलंकाई बॉलर्स 344 रन का स्कोर डिफेंड करने उतरे श्रीलंकाई गेंदबाजों ने पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी की।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

मैं मर्जी से नहीं बल्कि मार खाकर फिल्मों में आई...

लीजेंड्री एक्ट्रेस रेखा ने 69वां बर्थडे सेलेब्रेट किया। यूं तो बॉलीवुड के हर सितारे की अपनी कहानी है, लेकिन रेखा वो किरदार हैं, जिनकी जिंदगी का हर अफसाना लोग सुनना चाहते हैं। रेखा के इस अफसाने की शुरुआत उनके बचपन से करते हैं। रेखा का जन्म साउथ एक्टर जेमिनी गणेशन और एक्ट्रेस पुष्पावली के घर हुआ था। पुष्पावली जेमिनी की पत्नी नहीं थीं। दरअसल, जब दोनों के रिश्ते की शुरुआत हुई थी, तब जेमिनी पहले से शादीशुदा थे। वहीं पुष्पावली ने भी अपने पति को तलाक नहीं दिया था। ऐसे में उनका शादी करना मान्य नहीं था। जेमिनी ने पुष्पावली को सब कुछ दिया, लेकिन अपना नाम नहीं दे पाए। यही कारण रहा कि जब रेखा का जन्म हुआ तो उन्हें जेमिनी और पुष्पावली की नाजायज बेटी कहा गया। नतीजतन रेखा का बचपन पिता के प्यार के बिना गुजरा। रेखा की स्कूलिंग मद्रास के प्रेजेंटेशन कॉन्वेंट स्कूल में हुई।

जेमिनी सरनेम से डरते थे डायरेक्टर

रेखा के फिल्मी सफर की शुरुआत अच्छी नहीं थी। साउथ इंडस्ट्री में उन्हें काम पाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी। सच्चाई ये थी कि वो जेमिनी गणेशन की बेटी थीं। पिता का साया उन पर होता तो फिल्मों में काम आसानी से मिल जाता। जेमिनी सिर्फ एक्टर ही नहीं बल्कि बिजनेसमैन भी थे। इंडस्ट्री में उनका रुतबा बहुत था, उनके एक इशारे पर सारी चीजें हो जाती थीं। वहीं जेमिनी सरनेम का इस्तेमाल करना भी रेखा के लिए सिर्फ मुसीबत था। कई प्रोड्यूसर-डायरेक्टर जेमिनी के डर से उन्हें फिल्म ऑफर नहीं कर रहे थे। दूसरी तरफ रेखा अपने लुक की वजह से भी रिजेक्शन झेल रही थीं। उनका सांवला रंग, अधिक वजन और टॉम बॉय लुक भी काम पाने में रुकावट बन जाता था।

शूटिंग पूरी होने तक नॉनवेज नहीं खाएंगे रणबीर

रणबीर कपूर, महाकाव्य रामायण पर आधारित फिल्म रामायण में नजर आने वाले हैं। वो फिल्म में प्रभु श्रीराम का किरदार निभाने वाले हैं, जिसके लिए उन्होंने बड़ा त्याग किया है। रणबीर ने इस रोल के लिए शराब पीना छोड़ दिया है, साथ ही वो फिल्म की शूटिंग पूरी होने तक नॉनवेज भी नहीं खाएंगे। फिल्म में उनके साथ साई पल्लवी, सीता का रोल निभाएंगी। हाल ही में कोईमोई वेबसाइट ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि रणबीर फिल्म के लिए शराब और नॉनवेज छोड़ रहे हैं, जिससे वो प्रभु श्रीराम की तरह एक पवित्र किरदार में जा सकें। रिपोर्ट के अनुसार, 'जहां एक तरफ सीता का रोल प्ले कर रहीं साई पल्लवी बेहद साफ और कंट्रोवर्सी फ्री इमेज रखती हैं वहीं रणबीर इससे एकदम उलट, रंगीन हैं। वो जंगली नहीं हैं, हालांकि निजी जिंदगी में वो श्री राम की तरह साफ-सुथरी इमेज नहीं रखते हैं।' एक पुराने इंटरव्यू में रणबीर ने बताया था कि उन्हें बीफ बहुत पसंद है। इस पर जमकर कंट्रोवर्सी हो चुकी है।

अस्पताल से डिस्चार्ज हुई अभिनेत्री शहनाज गिल

एक्ट्रेस शहनाज गिल फूड इंफेक्शन के चलते मुंबई के कोकिलाबेन हॉस्पिटल में भर्ती हैं। हालांकि वह इलाज के बाद डिस्चार्ज भी हो गई। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर लाइव आकर इस बात की जानकारी दी। इस दौरान एक्ट्रेस सोनम कपूर की बहन रिया कपूर भी उनके साथ थीं। वो हॉस्पिटल में उनसे मिलने पहुंचीं। वहीं जब शहनाज लाइव हुईं तो एक्टर अनिल कपूर ने घर से उनका सेशन जॉइन किया। लाइव सेशन में शहनाज हॉस्पिटल बेड से ही अपने फैंस से रूबरू हुईं। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने सैंडविच खा लिया था, जिसकी वजह से उन्हें फूड इंफेक्शन हो गया था। शहनाज बोलीं, 'देखो टाइम सबका आता है, सबका जाता है। मेरे साथ भी वही हुआ। मुझे इंफेक्शन हो गया था। मैंने सैंडविच खा लिया था।'शहनाज के इस लाइव वीडियो पर एक्टर अनिल कपूर ने भी कमेंट किया।

बेटिंग एप के मनी लॉन्ड्रिंग केस में मिला था समन

महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप के 5 हजार करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में रणबीर का नाम आया है। केस के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर की शादी में वे शामिल हुए थे। आरोप है कि रणबीर समेत कई सेलेब्स को इसके लिए हवाला से पैसे दिए गए थे। हालांकि बाद में ये खबर आई कि रणबीर को सिर्फ मामूली पूछताछ के लिए समन दिया गया था। फिल्म में साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस साई पल्लवी माता सीता का रोल प्ले करने वाली हैं। पहले फिल्म में आलिया को सीता के रोल में कास्ट करने की खबरें थीं। फिल्म में रावण के रोल में केजीएफ फेम यश नजर आ सकते हैं, हालांकि अब तक इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है। फिल्म रामायण को दंगल और छिछोरे जैसी फिल्में डायरेक्ट कर चुके नितेश तिवारी डायरेक्ट करने वाले हैं।

मेट्रो बाजार

अडानी ग्रुप को वित्तीय रूप से अस्थिर करने का एक और प्रयास

नईदिल्ली, एजेंसी

अडाणी ग्रुप ने उसके खिलाफ च बेस्ड न्यूज पेपर फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट को बेसलेस बताया है। अडाणी ग्रुप ने कहा कि उसकी मार्केट वैल्यू को कम करने और प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए एफटी लगातार कैंपेन चला रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स ने हाल ही में अपनी एक रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप पर कोयला इंपोर्ट में ओवर-इनवॉइसिंग का आरोप लगया था। अडाणी ग्रुप ने कहा कि च स्थित अखबार पहले भी अपने प्रयासों में विफल रहा था और अब अडानी ग्रुप को वित्तीय रूप से अस्थिर करने का एक और प्रयास कर रहा है। एक बार फिर कोयला इंपोर्ट में ओवर-इन्वॉयसिंग के पुराने और आधारहीन आरोपों को रीसाइकिल कर रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स की स्टोरी डायरेक्ट्रेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस के 30 मार्च 2016 के सर्कुलर पर आधारित है। फाइनेंशियल टाइम्स का एजेंडा इस तथ्य से उजागर होता है कि जिस सर्कुलर पर ये स्टोरी आधारित है, उसमें अडाणी समेत 40 दूसरे इंपोर्टर्स के भी नाम हैं, मगर एफटी ने सिर्फ अडाणी ग्रुप पर आरोप लगाए हैं। इसमें रिलायंस इंफ्रा, स्टील और एस्सार ग्रुप के अलावा कर्नाटक, गुजरात, हरियाणा, तमिलनाडु जैसे कई राज्य सरकारों की बिजली बनाने वाली कंपनियों के भी नाम हैं। ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट के साथ हाथ मिलाया है। जॉर्ज सोरोस की संस्था है। 31 अगस्त 2023 को

भी ग्रुप के खिलाफ निराधार स्टोरी पब्लिश की थी। अडाणी ग्रुप पर 31 अगस्त को एक और विदेशी रिपोर्ट सामने आने के बाद कंपनी के 10 शेयर में से 9 में गिरावट देखने को मिली। ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट में दावा किया गया है कि अडाणी ग्रुप के निवेशकों ने गुपचुप तरीके से खुद अपने शेयरों को खरीदकर बाजार में लाखों डॉलर का निवेश किया।

हल्दीराम की स्नैक्स मार्केट में 13 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्नैक्स कंपनी हल्दीराम ने टाटा ग्रुप की कंपनी को 51 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की खबरों का खंडन किया है। स्टॉक एक्सचेंजों ने हिस्सेदारी खरीदने से जुड़ी खबरों को लेकर टाटा कंज्यूमर से स्पष्टीकरण मांगा था। जवाब में कंपनी ने कहा कि वह इस तरह की किसी भी बातचीत में नहीं है। इससे पहले दिन में न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से अपनी एक रिपोर्ट में बताया था कि टाटा कंज्यूमर इंडियन फूड स्नैक्स मैन्युफैक्चर हल्दीराम की 51 स्नैक्स हिस्सेदारी खरीद सकती है। हालांकि दोनों के बीच 10 अरब डॉलर के वैल्यूएशन को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। टाटा ग्रुप की कंपनी को ये वैल्यूशन काफी ज्यादा लग रहा है। हल्दीराम के स्नैक्स सिंगापुर और अमेरिका जैसे विदेशी बाजारों में भी बेचे जाते हैं। इसकी शुरुआत 1937 में एक छोटी सी दुकान से हुई थी। हल्दीराम के स्नैक्स सिंगापुर और अमेरिका जैसे विदेशी बाजारों में भी बेचे जाते हैं। इसकी शुरुआत 1937 में एक छोटी सी दुकान से हुई थी। यूरोमॉनिटर इंटरनेशनल के अनुसार, भारत के 6.2 अरब डॉलर के स्नैक्स मार्केट में हल्दीराम की लगभग 13 प्रतिशत हिस्सेदारी है। लेज चिप्स के लिए मशहूर पेप्सी का भी लगभग 13 फीसदी हिस्सा है। हल्दीराम के स्नैक्स सिंगापुर और अमेरिका जैसे विदेशी बाजारों में भी बेचे जाते हैं। कंपनी के पास लगभग 150 रेस्तरां हैं। इसकी शुरुआत 1937 में एक छोटी सी दुकान से हुई थी। टाटा कंज्यूमर के पोर्टफोलियो में टी, कॉफी, बेवरेज और फूड शामिल है। टाटा कंज्यूमर यूके की चाय कंपनी टेटली का भी मालिक है। स्टारबक्स के साथ भी टाटा की साझेदारी है।

नवरात्र की तैयारियां

भोपाल। नवरात्रि के उपलक्ष्य में शहर में सजाई जाने वाली दुर्गा प्रतिमाओं को फाइनल टच देते मूर्तिकार।

खजूरी सड़क इलाके में रात दस बजे हुई थी घटना

ड्यूटी से लौट रही महिला का रास्ता रोककर छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। खजूरी सड़क इलाके में सोमवार रात एक युवक ने ड्यूटी से घर लौट रही महिला का रास्ता रोककर उसके साथ अश्लील हरकत की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश में पुलिस की एक विशेष टीम लगाई थी। टीम ने आरोपी को इलाके से ही घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है।

थाना प्रभारी नीरज वर्मा ने बताया कि बैरागढ़ में रहने वाली 38 वर्षीय महिला एक कालेज में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करती है। सोमवार दोपहर के समय वह ड्यूटी जाते समय ग्राम भौंरी स्थित शासकीय स्कूल के पास पूजा के लिए फूल तोड़ने लगी। इस दौरान वहां मौजूद एक युवक ने महिला से बोला कि आप फूल नहीं तोड़ा करें, आपको अथवा स्टाफ को चाहिए तो वह फूल तोड़कर दे दिया करेगा। इसके साथ ही उसने महिला की ड्यूटी के बारे में पूछताछ की तो महिला ने उसे भला व्यक्ति समझकर ड्यूटी का टाइम बता दिया और काम पर चली गई। रात दस बजे ड्यूटी समाप्त होने के बाद महिला अपनी स्कूटर से घर लौट रही थी, तभी शासकीय स्कूल के पास उसी युवक ने महिला का रास्ता रोक लिया और बुरी नीयत से अश्लील हरकत करने लगा, जिससे महिला स्कूटर समेत गिरकर घायल हो गई। महिला के शोर मचाने पर आरोपी मौके से भाग निकला।

पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को दबोचा

घटना की जानकारी महिला ने अपने परिजनों को दी और देर रात खजूरी सड़क थाने पहुंचकर शिकायत की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश के लिए एक विशेष टीम बनाई। पुलिस टीम शासकीय स्कूल के पास भौंरी पहुंची तो महिला द्वारा बताए गए हुलिए का युवक मिला, जिसे पुलिस ने हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम सिद्धार्थ प्रजापति (31) निवासी ग्राम भौंरी थाना खजूरी सड़क बताया। पूछताछ करने पर उसने महिला के साथ छेड़छाड़ की घटना को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। आरोपी को गिरफ्तार करने में टीआई वर्मा के साथ ही एसआई बनवारीलाल, हेड कांस्टेबल गजराज सिंह, आरक्षक जितेन्द्र सूपे और प्रेमनारायण राठौर की सराहनीय भूमिका रही।

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित कैलाश नाथ काटजू अस्पताल का मामला

लिफ्ट में आधी रात मेडिकल ऑफिसर से हुई मारपीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित कैलाश नाथ काटजू अस्पताल में मरीज के अटैंडर द्वारा मेडिकल ऑफिसर से मारपीट का मामला थाने पहुंचा है। पुलिस ने लेडी मेडिकल आफिसर की शिकायत पर पुलिस ने दो महिलाओं के खिलाफ, मारपीट, गालीगलौज और जान से मारने की धमकी देने का प्रकरण दर्ज किया है।

फाइल फोटो

पुलिस के अनुसार डॉक्टर अविधा त्रिवेदी (30) मूलत- सतना की रहने वाली हैं और इन दिनों वैशाली अपार्टमेन्ट, सुरेन्द्र पैलेस बागसेवनिया में रहती हैं। वह गत एक साल से कैलाश नाथ काटजू हास्पिटल में टीटी में हैं। फिलहाल वह मेडिकल आफीसर का पदभार संभाल रही हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि मंगलवा को वह नाइट ड्यूटी कर रही थी। अस्पताल में निकिता नाम की मरीज विगत दो दिनों से भर्ती हैं। मंगलवार रात करीब 8 बजे उससे मिलने दो महिलाएं आई थी। उन्होंने अपना नाम अंजली बानकर व गुंजन लामा बताया। दोनों ने मरीज से बातचीत की और उसे लिफ्ट से चलने का कहने लगी। इस समय लिफ्ट में डॉक्टर अविधा के साथ डॉक्टर शशि कावड़े भी थी। डॉक्टर ने कहा कि मरीज जब लिफ्ट से जाने का मना कर रहा है तो जबरन क्यों ले जा रही हो। इसी बात लेकर दोनों महिलाएं विवाद करने लगी और जबरन लिफ्ट में घुस कर गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगी। इस विवाद में डॉक्टर अविधा को गले और सिर पर चोट आई है। दोनों महिलाएं जाते समय देख लेने की धमकी दे रही थी।

आड़े-तिरछे नंबर और हूटर लगाने वाले वाहनों पर कार्रवाई

भोपाल। आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद ट्रैफिक पुलिस ने गलत नंबर प्लेट, हूटर और वाहनों पर राजनैतिक चिन्ह अथवा पदनाम लिखवाने वाले वाहन मालिकों को उन्हें हटाने की चेतावनी दी गई थी। इसके बावजूद कई वाहन चालकों ने अभी तक अपने वाहनों को ट्रैफिक नियमों के तहत नंबर प्लेट्स आदि नहीं निकलवाई। इस प्रकार के वाहनों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। मंगलवार को शहर में हुई चैकिंग के दौरान हूटर लगाने वाले 7 और गलत नंबर प्लेट्स वाले 22 समेत कुल 29 वाहनों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। ट्रैफिक पुलिस ने आम जनता से अनुरोध किया है कि अपने वाहनों में ट्रैफिक नियमों के अनुसार ही नंबर प्लेट लगवाएं और किसी प्रकार के नियमों का उल्लंघन नहीं करें, अन्यथा यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। किसी प्रकार की असुविधा होने पर यातायात दूरभाष नं. 0755-2677340, 2443850 पर संपर्क कर सकते हैं।

चैकिंग के दौरान 29 वाहनों पर हुई कार्रवाई

वॉट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर आई 34 शिकायतों का निराकरण

नगरीय यातायात पुलिस भोपाल द्वारा यातायात नियमों का पालन करने और शहर में सुगम एवं सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करने हेतु एक वॉट्सएप हेल्पलाईन नम्बर 7587602055 शुरू किया गया है। इस हेल्पलाइन नंबर पर ट्रैफिक से जुड़ी समस्याओं जैसे ट्रैफिक जाम, नो पार्किंग तथा यातायात सुधार के लिए सुझाव दिए जा सकते हैं। बीती 29 सितंबर से 9 अक्टूबर तक हेल्पलाइन नंबर पर कुल 34 शिकायतें मिलीं, जिनका निराकरण किया गया। इसी प्रकार बीते 13 सितंबर से 9 अक्टूबर तक कुल 102 शिकायतों को निराकरण किया गया। ट्रैफिक पुलिस ने आम जनता से अनुरोध किया है कि अपने यातायात संबंधी सुझाव एवं शिकायतें साझा करें, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार किया जा सके। हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत एवं सुझाव हेतु संदेश के साथ फोटो आवश्यक रूप से भेजें, जिससे यातायात पुलिस अपको बेहतर सेवा प्रदान कर सकें।

लेनदेन के विवाद में युवक पर जानलेवा हमला

भोपाल। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित अहिरपुरा चर्च रोड पर लेनदेन के विवाद में एक युवक ने अपने ही दोस्त पर रॉड से हमला कर दिया। सिर में रॉड लगने से युवक की हालत नाजुक है और उसका हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कमलेश यादव पिता बिम्मालाल यादव (48) चर्च रोड अहिरपुरा में रहता है और पीओपी का काम करता है। उसके साथ दीपक इवने भी पीओपी का काम करता है। बीती रात करीब 12 बजे दोनों की रुपए के लेनदेन की बात को लेकर कहासुनी हो गई। कहासुनी बढ़ने पर दोनों में मारपीट होने लगी। इसी बीच दीपक ने कमलेश के सिर पर रॉड से हमला कर दिया। सिर में रॉड लगने पर कमलेश बेसुध होकर गिर गया था। यह देख आरोपी मौके से भाग निकला। इधर गंभीर रूप से घायल कमलेश को आसपास मौजूद लोगों ने हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई?है। पुलिस ने कमलेश की शिकायत पर दीपक इवने के लिए हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

फाइल फोटो

युवती से छेड़छाड़, नहाते समय बनाया वीडियो

भोपाल। बजरिया पुलिस ने एक युवती की रिपोर्ट पर मोहल्ले में रहने वाले युवक के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। आरोपी ने युवती का नहाते समय वीडियो बना लिया था। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 22 वर्षीय युवती प्रायवेट काम करती है। बीती चार अक्टूबर की सुबह करीब 6 बजे वह अपने घर के बाथरूम में नहा रही थी, तभी उसे एहसास हुआ कि बाथरूम के दूसरी तरफ कोई व्यक्ति है। युवती के शोर मचाने पर उसकी मां पहुंची तो पड़ोस में रहने वाला धर्मेंद्र नामक युवक अपने मोबाइल से युवती का वीडियो बनाते दिखाई दिया। मां ने उसे पकड़ना चाहा तो वह उन्हें धक्का देकर भाग निकला। बाद में युवती ने थाने पहुंचकर उसके खिलाफ केस दर्ज करवाया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी युवती के मोहल्ले का रहने वाला है और दुकान चलाता है।

खाना बनाते समय हीटर से लगा करंट महिला की मौत

भोपाल। एमपी नगर?थाना क्षेत्र स्थित अर्जुन नगर झुग्गी में कल शाम खाना बनाते समय एक महिला को करंट लग गया। करंट से उसके बाएं हाथ की अंगुलियां बुरी तरह से जल गई?थी। उसे जय प्रकाश अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा गया। एसआई लवेश कुमार ने बताया कि शना खान पति अय्युब खान (25) अर्जुन नगर, झुग्गी एमपी नगर में रहती?थी। उसकी शादी अर्जुन नगर में रहने वाले अय्युब खान के साथ पांच साल पहले हुई?थी। अय्युब प्राइवेट काम करता है। परिजन ने बताया कि कल शाम शना घर में हीटर पर खाना बना रही थी, तभी उसे करंट लग गया। करंट बाएं हाथ के तीन अंगुली में लगा था और वह बुरी तरह से झुलस गई?थी। बेसुध होने पर उसे जय प्रकाश अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी?थी।

मेट्रो एंकर बिलखिरिया थाना क्षेत्र का मामला

पंद्रह साल की नाबालिग से 65 साल के बुजुर्ग ने किया दुष्कर्म, गर्भवती होने पर खुलासा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया थाना क्षेत्र में 65 साल के बुजुर्ग द्वारा पंद्रह साल की नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी गत पांच महीने में उससे चार बार दुष्कर्म कर चुका था। घटना की जानकरी परिजन को उस समय लगी जब वह गर्भवती हो गई। उसे तीन महीने का गर्भ है। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ बलात्कार, घर में घुसने, बंधक बनाने समेत पाक्सो एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है और उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार पंद्रह साल की किशोरी इलाके में रहती हैं और महज कक्षा दूसरी तक पढ़ी है। उसके माता पिता मजदूरी करते हैं। नाबालिग की तबीयत ठीक नहीं थी। मां को उस पर संदेह हुआ। मां ने उससे पूछा तो उसने बताया कि सामने रहने वाले दादा ने पांच महीने पहले उससे घर में घुसकर दुष्कर्म?किया था। इसके बाद अभी तक चार बार उससे शारीरिक संबंध बना चुका है। घटना की जानकारी लगते ही परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने परीक्षण किया तो पता चला कि उसे तीन महीने का गर्भ है। इधर सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी पहुंच गई?थी। महिला अधिकारी ने नाबालिग के बयान दर्ज किए तो उसने बताया कि माता पिता काम पर गए?थे। इसी बीच आरोपी मथुरा प्रसाद घर आया था और उसे बीस रुपए का नोट दिया और बहला फुसलाकर उससे दुष्कर्म किया था। वह डरी सहमी थी और मां पिता को बता नहीं सकी। इसके फायदा उठाकर आरोपी ने पांच महीने में उससे चार बार शारीरिक संबंध बनाए।

ज्योतिष परामर्श

ज्योतिष शास्त्र में जन्मकुंडली किसी व्यक्ति के जीवन के सटीक आंकलन का दस्तावेज है। जीवन में सितारों और ग्रहों की चाल के विश्लेषण के माध्यम से करियर, शिक्षा, प्रेम, जीवन के बारे में सटीक अनुमान जानने व सही निर्णय लेने में सक्षमता के लिए संपर्क करें

श्रुति रावत
ज्योतिषाचार्य
व कुंडली
विशेषज्ञ

व्हाट्सएप नं.
7869267010
कॉलिंग नंबर
7415497010
shrutirawat16@gmail.com

परामर्श का समय : दोपहर 3 से 5 बजे तक, शुल्क : 501 रुपए

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022